शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 82 | गुवाहाटी | रविवार, 25 अक्तूबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राहुल गांधी की जिद सिखों की भावनाओं को आहत करने वाली : भाजपा — पेज 2
असम में एमबीबीएस फीस वृद्धि का स्वास्थ्य मंत्री ने किया बचाव — पेज 3
राजस्थान में पंचायत चुनाव : कई जगह हंगामा और लाठीचार्ज — पेज 5
पैरा एशियाई खेलों में भारत का ऐतिहासिक शिखर, 114 पदकों से रचा नया इतिहास — पेज 7

सियांग परियोजना : अरुणाचल में दूसरे दिन भी हिंसक प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने एनएचपीसी कार्यालय और पुलिस थाना फूंका

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले के पासीघाट में प्रस्तावित 11,200 मेगावाट की सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना (एसयूएमपी) के विरोध में शुक्रवार रात हिंसा भड़क उठी। उग्र प्रदर्शनकारियों ने एनएचपीसी कार्यालय और एक पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। कई सरकारी प्रतिष्ठानों और पुलिस वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। भीड़ ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मोयोंग और दो स्थानीय विधायकों- ओनी पन्यांग और निनोंग एरिंग के निजी आवासों पर भी हमला बोला, तोड़फोड़ की और घर का सामान उठा ले गए। पूर्वी सियांग की उपायुक्त जयंती पर्टिन ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित 12 घंटे का बंद काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा। हालांकि, बंद समाप्त होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने राजमार्ग जाम कर दिया। प्रशासन के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं हटे, जिसके बाद मजिस्ट्रेट के आदेश पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया पर 34,675 लाख करोड़ रुपए का कर्ज ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं अरबों रुपए

नई दिल्ली। दुनिया के देशों पर 34,675 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है और इस पर ब्याज चुकाने का बोझ लगातार बढ़ रहा है। यूरोप में सरकारों की आर्थिक नीतियों, सरकारी खर्च में कटौती और आम लोगों पर बढ़ते दबाव को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। फ्रांस में भी बढ़ते सरकारी कर्ज और बजट घाटे के बीच उधारी महंगी हुई है। अक्तूबर 2026 में फ्रांस के 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड करीब 5 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि जर्मनी में यह 3.41 प्रतिशत थी। यानी फ्रांस को कर्ज लेने के लिए जर्मनी के मुकाबले ज्यादा ब्याज देना पड़ रहा है। अलजरीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के कुल कर्ज में सरकारों के साथ कंपनियों और परिवारों की उधारी भी शामिल है। अमेरिका पर करीब 3,933 लाख करोड़ रुपए और जापान पर 826.5 लाख करोड़ रुपए का सरकारी कर्ज है। विकसित देशों का सालाना सरकारी बॉन्ड ब्याज बिल 313.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। ब्याज चुकाने में ज्यादा पैसा खर्च होने से सरकारों के पास स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन और दूसरी वेलफेयर स्कीम्स के लिए कम पैसा बच सकता है। सरकारें अपनी कमाई यानी टैक्स और दूसरे स्रोतों से मिलने वाले पैसे के अलावा सरकारी बॉन्ड जारी करके भी कर्ज लेती हैं। जब सरकार को सड़क, रेलवे, अस्पताल, रक्षा और दूसरी योजनाओं पर खर्च करने के लिए पैसों की जरूरत होती है, तो वह बॉन्ड के जरिए बैंक, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड और दूसरे निवेशकों से पैसा -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में पहली बार लीवर ट्रांसप्लांट, गुवाहाटी में 48 वर्षीय व्यक्ति का हुआ ऑपरेशन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर भारत में पहली बार लीवर प्रत्यारोपण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई है। गुवाहाटी में 48 वर्षीय भगत सिंह का लीवर प्रत्यारोपण किया गया। इस महत्वपूर्ण सर्जरी को आंध्र प्रदेश के चिकित्सक डॉ. सेंथिल कुमार के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। असम के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में इस उपलब्धि की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में पहली बार लीवर प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी की गई है। इस उपलब्धि -शेष पृष्ठ दो पर

असम में पांच लाख बीघा जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने पांच लाख बीघा जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के वन क्षेत्रों और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार ने पिछले कार्यकाल के दौरान अतिक्रमण के खिलाफ कड़े कदम उठाए थे। इस बार भी इस अभियान को जारी रखते हुए बड़े पैमाने पर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने वन विभाग को वन भूमि पर अवैध कब्जे, अवैध खनन और अन्य प्रकार के अतिक्रमण को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। साथ ही, उपग्रह के माध्यम से लगातार निगरानी की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी कहा गया है, ताकि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से नजर रखी जा सके।

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

मणिपुर में शांति समझौते की छांव तले सुलगती आशंकाएं

सुरक्षा बलों ने कुकी-जो सोओ शिविर पर नियंत्रण किया

इंफाल। मणिपुर में मई 2023 से सुलग रही जातीय हिंसा के बीच सुरक्षा बलों ने पहली बार एक बड़ा कदम उठाते हुए कुकी-जो उग्रवादियों के *सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन* समझौते के तहत बने एक निर्धारित शिविर पर सीधा नियंत्रण कर लिया है। कांगपोकपी जिले के सिनाई शिविर में की गई इस कार्रवाई के दौरान वहां पंजीकृत 159 कैडरों की जगह केवल एक ही कैडर मौजूद मिला, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और समझौते के नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बड़ी विसंगति के सामने आने के बाद अब राज्य सरकार ने सभी 14 शिविरों का व्यापक आडिट करने का निर्णय लिया है। सिनाई शिविर में छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और अन्य युद्धक सामग्री बरामद की गई है। शिविर से 17 ऐसे लोग भी पकड़े गए जो -शेष पृष्ठ दो पर

दिवाली कारोबार में 10 हजार करोड़ के नुकसान की आशंका

सीटीआई ने राहुल गांधी से रैली टालने को कहा

नई दिल्ली। व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली *इंडिया* गठबंधन की रैली को 10 नवंबर तक के लिए स्थगित करने का आग्रह किया है। व्यापारिक निकाय ने चेतावनी दी है कि इस रैली से दिवाली के मुख्य खरीदारी सत्र के दौरान 10,000 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित हो सकता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लिखे एक पत्र में, सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि यह रैली रामलीला मैदान के आसपास के थोक और खुदरा बाजारों को ऐसे समय में प्रभावित कर सकती है जब व्यापारियों को धनतेरस और दिवाली से पहले ग्राहकों की भारी भीड़ की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि दिल्ली में इस साल छह नवंबर को पड़ने वाले धनतेरस के आसपास सोना-चांदी, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, बर्तन, मेवे, मिठाइयां, वाहन, प्रॉपर्टी और उपहार की वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में लगभग 25,000 करोड़ रुपए का कारोबार होता है। इस साल आठ नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी, जिसके बाद 10 नवंबर को भाई दूज का त्योहार है। व्यापारी निकाय ने कहा कि बाजारों में आमतौर पर त्योहारों से लगभग एक सप्ताह पहले गतिविधियों में तेजी आती है, जिससे रैली का समय व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बन गया है। सीटीआई के आकलन के अनुसार कनॉट प्लेस, इंडिया गेट और मध्य दिल्ली में रैलियों, प्रदर्शन और सड़क बंद होने के कारण दिल्ली के व्यापारियों को अक्तूबर में पहले ही लगभग 3,000 -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

विद्या सबसे अनमोल धन है; इसके आने मात्र से ही सिर्फ अपना ही नहीं अपितु पूरे समाज का कल्याण होता है।

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

नेहा बोरा ने *पीस बॉन्ड* पर साइन करने से किया इनकार

नई दिल्ली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) की अध्यक्ष नेहा बोरा ने *पीस बॉन्ड* भरने से मना कर दिया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि वह विशेष कार्यकारी -शेष पृष्ठ दो पर

आंध्र में सड़क निर्माण स्थल पर विस्फोट, शिक्षिका समेत सात की मौत

अमरावती (हि.स.)। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू (एएसआर) जिले में शनिवार को सड़क निर्माण स्थल के पास हुए भीषण विस्फोट में एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका समेत 7 लोगों की मौत हो गई। जिले के पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने इन सभी की मौत की पुष्टि की है। हादसा अनंतगिरि मंडल के पिनाकोटा के पास हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि घटनास्थल पर मौजूद दो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। राज्य के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय में की उच्च स्तरीय बैठक, एलजी और सीएम रहे मौजूद

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की। इस बैठक में दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले पांच वर्षों के लिए दिल्ली पुलिस की कार्य-निष्पादन रिपोर्ट की समीक्षा की। बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें पिछले पांच महीनों के दौरान दिल्ली में हुए विरोध-प्रदर्शन, महिलाओं की सुरक्षा और पुलिसकर्मियों पर हुए हमले शामिल थे। इस बैठक में दिल्ली की कानून-व्यवस्था, पुलिस और जनता के बीच सीधे संवाद, तथा नशीले पदार्थों, गैंगवार और गैंगस्टरों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर चर्चा हुई। बैठक में दिल्ली पुलिस कमिश्नर के साथ-साथ सभी स्पेशल सीपी, जॉइंट सीपी, डीसीपी, और स्पेशल सेल तथा क्राइम ब्रांच के अधिकारी शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब विपक्षी दलों और छात्र संगठनों ने मतदाता सूची के *स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन* (एसआईआर) को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

जैश से संबंधों के आरोप में किशनगंज का युवक मुंबई से गिरफ्तार

किशनगंज (हि.स.)। प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबंध रखने के आरोप में महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की गिरफ्त में आए किशनगंज जिले के एक युवक का उसके परिजनों ने बचाव किया है। आरोपित की भाभी ने उसे निर्दोष और सीधा-सादा व्यक्ति बताते हुए साजिश के तहत फंसाने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र एटीएस की पकड़ में आए युवक की पहचान किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत भयकर द्वारी गांव निवासी 33 वर्षीय मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर के रूप में हुई है। वह पिछले करीब दस वर्षों से मुंबई में रह रहा था। बताया जाता है कि वह वहां इत्र बेचने के साथ रैपिडो बाइक चलाकर अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने बंद की पाकिस्तान की एलपीजी सप्लाई सिलेंडर की कीमत हुई 10 हजार रुपए पार

इस्लामाबाद। ईरान से एलपीजी की आपूर्ति बाधित होने के बाद पाकिस्तान में गैस संकट गंभीर होता दिखाई दे रहा है। सीमा पर आवाजाही रुकने से गैस से भरे सैकड़ों ट्रकों और टैंकरों के फंसे होने की खबर है। इसका असर बाजार में उपलब्धता और कीमतों पर पड़ रहा है। कई शहरों में घरेलू सिलेंडर महंगे हो गए हैं, जबकि कुछ क्षेत्रों में कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आई हैं। पाकिस्तान एलपीजी एसोसिएशन के मुताबिक, ईरान से पाकिस्तान में प्रतिदिन लगभग 7,000 मीट्रिक टन एलपीजी आती है। ग्वादर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष शम्सुल हक ने बताया कि अकेले गाबद-रिमदान सीमा चौकी के रास्ते प्रतिदिन 4,000 टन से अधिक गैस पाकिस्तान पहुंचती थी। उनके अनुसार, फिलहाल यह आपूर्ति पूरी तरह बंद है। पाकिस्तान के तेल एवं गैस नियामक प्राधिकरण (ओगरा) से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, ईरान के साथ सीमा बंद होना देश में एलपीजी संकट की प्रमुख वजहों में से एक है। आपूर्ति बाधित होने के कारण बाजार में गैस की उपलब्धता कम हुई है और कीमतों में तेज उछाल आया है। पाकिस्तान -शेष पृष्ठ दो पर

यूरोप के हथियार बाजार में भारत की धाक, दुनिया में बना तीसरा सबसे बड़ा सप्लायर

नई दिल्ली। भारत की रक्षा ताकत और हथियारों की बढ़ती मांग का असर अब यूरोप में भी दिखाई दे रहा है। भारत यूरोप को हथियारों का निर्यात करने वाला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह के मुताबिक, रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने यूरोपीय देशों को 8,271 करोड़ रुपए के गोला-बारूद की सप्लाई की है। ट्रेड डेटा मॉनिटर के आंकड़ों के अनुसार, इस सप्लाई में तोपों के गोले और मोर्टार के गोले जैसे सैन्य इस्तेमाल के अहम गोला-बारूद शामिल हैं।यह आंकड़ा भारत के बढ़ते रक्षा उत्पादन और हथियार निर्यात की क्षमता को दिखाता है। एक समय तक हथियारों के आयात पर निर्भर रहने वाला भारत अब अंतर्राष्ट्रीय रक्षा बाजार में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रहा है। भारत की रक्षा कंपनियां स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के उत्पादन पर जोर दे रही हैं। इससे देश की रक्षा औद्योगिक क्षमता को बढ़ावा मिल रहा है और वैश्विक बाजार में भारतीय रक्षा उत्पादों के लिए नए अवसर बन रहे हैं। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत यूरोप को हथियार निर्यात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। इसके पीछे *रीआर्म यूरोप* पहल के तहत हथियारों की बढ़ती मांग और भारत में घरेलू विनिर्माण आधार का विस्तार मुख्य कारण हैं। शुक्रवार को आयोजित केपीएमजी अग्रसर भारत मंच 2026 कार्यक्रम में, सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत का लक्ष्य अपने डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस को और अधिक व्यापक बनाना है। पहले यह मुख्य रूप से लगभग 16 सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (सरकारी कंपनियों) -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

राहुल गांधी की जिद सिखों की भावनाओं को आहत करने वाली : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे सिख समाज की भावनाओं को आहत करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि एक नवंबर का दिन 1984 के सिख विरोधी दंगों की दर्दनाक यादों से जुड़ा है। ऐसे में इस तारीख को रैली करने की जिद सिख समाज के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी है। भाजपा इसकी कड़ी भर्त्सना करती है। भाजपा मुख्यालय में शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राजनीतिक विरोध हो सकता है, लेकिन क्या उन्हें देश के आम लोगों और व्यापारियों की चिंताओं से भी कोई मतलब नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी किसी की बात सुनने को तैयार नहीं हैं और अपनी जिद पर अड़े हुए हैं। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश में जो हिंसा हुई, उसे सिख समाज आज भी गहरी पीड़ा के साथ याद करता है। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती हिलती है। भाजपा नेता ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने लंबे समय तक 1984 के दंगों की सच्चाई को दबाने और आरोपियों को बचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद दंगों से जुड़े मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया। उन्होंने पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिए जाने और कई आरोपियों को सजा मिलने का भी उल्लेख किया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि दिल्ली के व्यापारियों ने भी राहुल गांधी को पत्र लिखकर त्योहारों के दौरान होने वाली खरीदारी और कारोबार पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए रैली की तारीख बदलने का आग्रह किया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के सहयोगी दलों में भी इस तारीख को लेकर असंतोष है। उन्होंने सवाल किया कि जब एक ओर सिख समाज के लिए यह दिन संवेदनशील है और दूसरी ओर व्यापारी भी अपनी चिंताएं जता रहे हैं, तो राहुल रैली की तारीख बदलने को तैयार क्यों नहीं हैं? उन्होंने राहुल को गैर-जिम्मेदार बताते हुए आरोप लगाया कि वह जनहित से जुड़े विचारों और लोगों की भावनाओं का सम्मान नहीं करते। भाजपा नेता ने दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय परिसर में हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा।

विजयादशमी के बैनर पर बवाल, भाजपा-टीएमसी समर्थकों में मारपीट, चले अंडे और हुई धक्का-मुक्की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में विजयादशमी की शुभकामनाओं वाले बैनर और झंडे लगाने को लेकर तृणमूल श्रमिक संगठन की कोर कमेटी के पूर्व सदस्य के गुट और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दुर्गापुर के न्यूटन इलाके में दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जिसके बाद मारपीट और एक-दूसरे पर अंडे फेंकने के आरोप सामने आए। यहां तक कि एक युवक को नाले में गिराकर उसके साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दुर्गापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस के साथ भी धक्का-मुक्की होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद इलाके में तनाव और हलचल का माहौल बन गया। भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया है कि तृणमूल श्रमिक संगठन की कोर कमेटी के पूर्व सदस्य बंटी सिंह अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए झंडों को हटा दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया। देखते ही देखते विवाद ने झड़प का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच मारपीट और अंडे फेंकने की घटनाओं के आरोपों से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल, इस घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है। मामले में दोनों पक्षों के आरोपों और घटना की परिस्थितियों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। दुर्गापुर में भाजपा नेता ने दावा किया कि उन्होंने विजया सम्मेलन के लिए झंडे और बैनर टांगे थे। सुबह उन्हें खबर मिली कि झंडा हटा दिया गया है। फिर विरोध करते हुए झड़प शुरू हो गई। भाजपा नेता ने दावा किया कि कि बंटी सिंह 4 अक्तूबर के बाद भाजपा में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, भाजपा नेता ने यह भी साफ संदेश दिया है कि उन्हें पार्टी में कोई जगह नहीं दी जाएगी। नतीजतन, झंडा फहराने को लेकर शुरू हुए विवाद के साथ-साथ पार्टी बदलने की अटकलें भी सामने आ गई हैं। अब सवाल यह है कि क्या बैनर विजया को बधाई देने के लिए लगाया गया था, या राजनीतिक ताकत दिखाने के लिए बैनर के चारों ओर एक मंच बनाया गया था?

गोलकगंज में सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवती की मौत, छह घायल

गोलकगंज (हिंस)। असम के गोलकगंज के बिषखोवा में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। दुर्घटना ई-रिक्शा और चार पहिया वाहन के बीच टक्कर होने से हुई। आज आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ई-रिक्शा और चार पहिया वाहन के बीच हुई टक्कर में ई-रिक्शा में सवार एक 22 वर्षीय युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में ई-रिक्शा में सवार पांच यात्री और चालक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। घायलों की स्थिति और दुर्घटना के कारणों के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। उधर होजाई जिले के लंका इलाके में हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात लंका के करीखाना तीनाली इलाके में डंपर और कार के बीच हुई सामने सामने की टक्कर में एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद डंपर घटनास्थल से फरार हो गया। जिसके बाद एक अन्य ट्रक कार से जा टकराया।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का खतरा दक्षिण बंगाल में भारी बारिश की आशंका

कोलकाता (हि.स.)। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का खतरा मंडराने लगा है। समुद्र में निम्न दबाव का क्षेत्र बन चुका है। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार सुबह तक बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने की आशंका है। इसके बाद यह धीरे-धीरे तट की ओर बढ़ेगा। इसके प्रभाव से दक्षिण बंगाल के बड़े हिस्से में भारी बारिश और तेज आंधी की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे लेकर सतर्कता जारी कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी हिस्से में निम्न दबाव का क्षेत्र बना है। इसके आसपास समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके प्रभाव से शनिवार तक निम्न दबाव का क्षेत्र और मजबूत होकर निम्न दबाव में तब्दील हो सकता है। इसके बाद पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए रविवार तक इसके गहरे निम्न दबाव में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार सुबह तक समुद्र में गहरे निम्न दबाव का क्षेत्र चक्रवात का रूप ले सकता है। इसके बाद अगले दो दिनों में इसकी ताकत और बढ़ने तथा उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट की ओर बढ़ने की संभावना है।

नगांव में पेट्रोलियम टैंकर पलटा कई दुकानों को नुकसान

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले के पुरनीगुदाम क्षेत्र के केयापट्टी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 127 पर एक पेट्रोलियम टैंकर बीती रात दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गया। नुमलीगढ़ से होजाई की ओर जा रहे टैंकर के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद टैंकर सड़क के डिवाइडर पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकरा गया। इस दुर्घटना में सड़क किनारे स्थित कई दुकानों को नुकसान पहुंचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एनएल-01एल-6875 पंजीकरण संख्या वाला यह पेट्रोलियम टैंकर अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक रात्रिकालीन बस के रास्ते में बाधा उत्पन्न होने के कारण चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। तेज गति से जा रहा टैंकर डिवाइडर पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभे से जोरदार तरीके से टकरा गया। टक्कर के बाद टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क की विपरीत दिशा में पलट गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। टैंकर में पेट्रोलियम पदार्थ होने के कारण आग लगने की आशंका को देखते हुए अग्निशमन दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा और आवश्यक कदम उठाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। दुर्घटना में किसी के हताहत होने की तत्काल पुष्टि नहीं हुई है।

असम : नलबाड़ी में छह करोड़ की चोरी की दवाएं बरामद

नलबाड़ी (हिंस)। असम के नलबाड़ी जिले में करीब छह करोड़ रुपए की चोरी की दवाएं बरामद की गई हैं। ये दवाएं गुवाहाटी के सरुसजाई स्थित एक गोदाम से चोरी हुई थीं। पुलिस ने नलबाड़ी जिले के बालिकरिया इलाके में निवारण बर्मन नामक व्यक्ति के घर से दवाओं को जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 अक्तूबर को गुवाहाटी के सरुसजाई स्थित एक गोदाम से दवाओं की चोरी हुई थी। इस घटना के बाद संबंधित दवा कंपनी के एक अधिकारी ने वशिष्ठ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान चोरी की दवाओं का पता नलबाड़ी जिले के बालिकरिया स्थित निवारण बर्मन के आवास पर चला, जहां से उन्हें बरामद किया गया। बरामद दवाओं की अनुमानित कीमत करीब छह करोड़ बताई गई है।

पृष्ठ एक का शेष

प्रदर्शनकारियों ने एनएचपीसी ...

कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। उग्र भीड़ ने पासीघाट पुलिस स्टेशन, एनएचपीसी कार्यालय और कई पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, झड़प में आठ प्रदर्शनकारियों को भी मामूली चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। शनिवार तड़के करीब चार बजे के बाद स्थिति नियंत्रण में आई। इलाके में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रस्तावित परियोजना को लेकर स्थानीय समुदायों में लंबे समय से असंतोष है। प्रदर्शनकारी परियोजना संबंधी गतिविधियों को रोकने और गिरफ्तार कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए प्रदर्शनकारियों से बातचीत के जरिए समस्याओं का समाधान निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि परियोजना को लेकर किसी भी तरह की चिंता या आपत्ति पर सरकार से चर्चा की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन इसमें हिंसा और दूसरों को नुकसान पहुंचाने की कोई जगह नहीं है।

दुनिया पर 34,675 लाख...

जुटाती है। उदाहरण के लिए, सरकार 10 साल का बॉन्ड जारी करती है और कोई निवेशक उसे 100 रुपए में खरीदता है, तो इसका मतलब है कि उसने सरकार को 100 रुपए का लोन दिया है। इसके बदले सरकार तय शर्तों के मुताबिक ब्याज देने और अवधि पूरी होने पर मूल रकम लौटाने का वादा करती है। मान लीजिए, सरकार ने 100 रुपए का बॉन्ड 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर जारी किया है। ऐसे में सरकार निवेशक को हर साल 2.50 रुपए ब्याज देगी। 10 साल में कुल 25 रुपए ब्याज देने के बाद अवधि पूरी होने पर 100 रुपए की मूल रकम भी वापस कर देगी। हालांकि, सरकार का कर्ज हमेशा नई योजनाओं पर खर्च नहीं होता, बल्कि पुराने कर्ज की रकम चुकाने के लिए भी नया कर्ज लेना पड़ सकता है। सरकार को कर्ज पर कितना ब्याज देना होगा, यह बाजार की ब्याज दरों, महंगाई, निवेशकों की मांग और बॉन्ड की शर्तों पर निर्भर करता है। जब बॉन्ड की कीमतें गिरती हैं, तो उनकी यील्ड यानी निवेश पर मिलने वाला रिटर्न बढ़ जाता है। इससे सरकारों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। ऐसे में सरकार को ब्याज चुकाने पर ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है, जिससे स्कूल, अस्पताल और सड़कों जैसी जरूरी सेवाओं पर खर्च करने के लिए कम पैसा बचता है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे होम लोन की ब्याज दर बढ़ने पर किसी परिवार की ईएमआई का बोझ बढ़ जाता है। यूरोप की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर ब्याज दरें 2000 के दशक की शुरुआत के बाद से 5 प्रतिशत तक नहीं पहुंची थीं। 2010 से 2012 के यूरोजोन कर्ज संकट के दौरान ग्रीस, इटली और स्पेन जैसे आर्थिक संकट से जूझ रहे देशों को इतनी या इससे ज्यादा दरों पर कर्ज लेना पड़ा था। आयरलैंड और पुर्तगाल में बॉन्ड की यील्ड 7 प्रतिशत से ऊपर जाने के बाद उन्हें बेलआउट पैकेज लेना पड़ा था। अब फ्रांस को 10 साल के लिए कर्ज लेने पर करीब 5 प्रतिशत ब्याज देना पड़ रहा है, जबकि जर्मनी की दर 3 ।41 प्रतिशत है। फ्रांस की बढ़ती दर बताती है कि निवेशक उसे कर्ज देने के बदले ज्यादा रिटर्न मांग रहे हैं। अब फ्रांस की बॉन्ड यील्ड इटली और ग्रीस से भी ज्यादा है। ब्रिटेन में यह दर फ्रांस से ऊपर है। दुनिया में सबसे ज्यादा सरकारी कर्ज अमेरिका पर है, जो करीब 3,933 लाख करोड़ रुपए है। इसके बाद चीन पर 2,137.5 लाख करोड़ रुपए और जापान पर 826.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। ब्रिटेन पर करीब 418 लाख करोड़ रुपए, फ्रांस पर 399 लाख करोड़ रुपए और इटली पर 351.5 लाख करोड़ रुपए का सरकारी कर्ज है। वहीं, जर्मनी पर 332.5 लाख करोड़ रुपए, भारत पर 323 लाख करोड़ रुपए, कनाडा पर 275.5 लाख करोड़ रुपए और ब्राजील पर 247 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। भारत पर कर्ज उसकी अर्थव्यवस्था के आकार के मुकाबले भी अहम है। आईएमएफ के 2026 के अनुमान के मुताबिक, केंद्र और राज्य सरकारों का कुल कर्ज जीडीपी का 83.4 प्रतिशत है। हालांकि, ज्यादा कर्ज का मतलब अपने आप आर्थिक संकट नहीं है। उदाहरण के लिए, जापान पर कर्ज उसकी जीडीपी का करीब 199 प्रतिशत है, जबकि भारत के लिए यह आंकड़ा 83.4 प्रतिशत है। वहीं, अमेरिका पर कर्ज जीडीपी का 127 प्रतिशत और फ्रांस पर 118 प्रतिशत है। किसी देश की वित्तीय स्थिति का आकलन सिर्फ कुल कर्ज से नहीं, बल्कि ब्याज चुकाने की क्षमता, सरकार की कमाई, आर्थिक विकास और कर्ज की लागत से भी किया जाता है।

पूर्वोत्तर में पहली बार ...

को क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लीवर प्रत्यारोपण एक जटिल शल्य चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों, प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता होती है। गुवाहाटी में इस प्रक्रिया के पूरा होने से असम सहित पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में उन्नत चिकित्सा सेवाओं के विस्तार की दिशा में नई संभावनाएं खुलने की उम्मीद है। इससे गंभीर लीवर संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को क्षेत्र में ही बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के प्रयासों को भी बल मिल सकता है।

सुरक्षा बलों ने ...

पंजीकृत कैडरों की सूची में शामिल नहीं थे, जिन्हें अदालत ने पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि यह जांच की जा रही है कि बाकी कैडर कहां गए और क्या नियमों का उल्लंघन हुआ है। यह घटनाक्रम 19 अक्तूबर को नोंगशुम के पास तीन मैतेई नागरिकों की हत्या के ठीक बाद सामने आया है, जिसके बाद से घाटी और पहाड़ी समुदायों के बीच तनाव एक बार फिर गहरा गया है। पिछले महीने चार सितंबर को *सस्पेंशन आफ आपरेशन* समझौता बिना नवीनीकरण के समाप्त हो चुका है। हालांकि केंद्र सरकार ने अभी तक इस समझौते को आधिकारिक रूप से रद नहीं किया है, लेकिन शिविरों की इस अचानक हुई घेराबंदी ने मणिपुर की सियासत में हलचल तेज कर दी है।

दिवाली कारोबार में ...

करोड़ रुपए के नुकसान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि इन व्यवधानों के कारण थोक बाजारों में सामानों की आवाजाही प्रभावित हुई और खुदरा दुकानों पर ग्राहकों की संख्या में कमी आई है। संगठन ने रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले लगभग 20 थोक और खुदरा बाजारों का भी जिक्र किया, जिनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, कश्मीरी गेट, नया बाजार, मोरी गेट, किनारी बाजार, दरीबा, दरियागंज, अजमेरी गेट, जामा मस्जिद, करोल बाग और आजाद मार्केट शामिल हैं। सीटीआई ने कहा कि ये बाजार देश के अलग-अलग हिस्सों में सामानों की आपूर्ति करते हैं, और रैली के दौरान यातायात परिवर्तन, मार्ग अवरुद्ध करने और सार्वजनिक परिवहन पर संभावित प्रतिबंधों से व्यावसायिक संचालन बाधित हो सकता है। गोयल ने पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों के रास्ते दूसरे राज्यों से दिल्ली आने वाले व्यापारियों और खरीदारों को होने वाली संभावित असुविधा पर भी चिंता जताई। सीटीआई ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे त्योहारी अवधि समाप्त होने तक प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में बड़ी रैलियां करने से बचें। इस संबंध में विपक्षी इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक कांग्रेस पार्टी के नेता से अनुरोध किया गया है कि वे 10 नवंबर के बाद रैली आयोजित करने पर विचार करें।

आंध्र में सड़क निर्माण ...

विस्फोट के कारणों की गहन जांच कराने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, पिनाकोटा के पास सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। निर्माण स्थल पर चट्टानों को तोड़ने के लिए ब्लास्टिंग की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान जिलेटिन की छड़ों से लदे एक पिकअप वाहन के पास आग लगने और उसके बाद जोरदार विस्फोट होने की घटना सामने आई। धमाके की चपेट में निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के साथ वहां से गुजर रही एक महिला शिक्षिका भी आ गईं। यह भी बताया जा रहा है कि निर्माण स्थल पर मजदूर एक पिकअप वाहन से डीजल और पेट्रोल को टिप्पर वाहन में स्थानांतरित करने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान एक वाहन में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलकर पास में रखे एलपीजी सिलेंडर तक पहुंच गई, जिसके बाद भीषण विस्फोट हुआ। हालांकि, विस्फोट के कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। हादसे में कुल 7 लोगों की मौत हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 5 लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल दो अन्य लोगों की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतकों में वाहन चालक, सहायक, मशीन ऑपरेटर, सड़क निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिक और एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका शामिल हैं। मृतक शिक्षिका की पहचान विशाखापत्तनम के मधुरावाड़ा निवासी सुनीता के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह हादसे के समय निर्माण स्थल के पास से गुजर रही थीं और अचानक हुए विस्फोट की चपेट में आ गईं। अन्य मृतकों में एम. मणिकांत, नारायण राव, पवन कुमार, प्रवीण और टिंकू के नाम सामने आए हैं। टिंकू मशीन ऑपरेटर था और बिहार का निवासी बताया जा रहा है, जबकि पवन कुमार असम का रहने वाला था। सातवें मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। सभी मृतकों की व्यक्तिगत जानकारी और हादसे के समय उनकी भूमिका का विस्तृत विवरण सामने आना बाकी है। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने एएसआर जिले के कलेक्टर से घटना की जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि विकास कार्यों के लिए डीजल ले जा रहा एक टिप्पर वाहन दूसरे वाहन से टकरा गया, जिसके बाद अचानक विस्फोट हो गया। कलेक्टर की ओर से उपमुख्यमंत्री को दी गई प्रारंभिक जानकारी में चार लोगों की मौके पर ही मौत होने की बात कही गई थी। बाद में पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने हादसे में मृतकों की कुल संख्या सात होने की पुष्टि की। उपमुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हादसे की परिस्थितियों और विस्फोट के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच आवश्यक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। हादसे के कारणों को लेकर फिलहाल अलग-अलग जानकारियां सामने आई हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों में ईंधन स्थानांतरित करने के दौरान आग लगने और उसके एलपीजी सिलेंडर तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। वहीं, जिला कलेक्टर ने दो वाहनों की टक्कर के बाद विस्फोट होने की जानकारी दी है। निर्माण स्थल पर जिलेटिन की छड़ों की मौजूदगी के कारण विस्फोट में उनकी संभावित भूमिका की भी जांच की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि विस्फोट की शुरुआत किस कारण से हुई और इसमें ज्वलनशील ईंधन, एलपीजी सिलेंडर अथवा जिलेटिन की छड़ों की क्या भूमिका रही। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों और घटनाक्रम की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

अमित शाह ने दिल्ली ...

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। शुक्रवार को कई वामपंथी दलों और छात्र नेताओं ने बांग्ला साहिब गुरुद्वारे के पास मार्च निकाला। उन्होंने कुमार को हटाने की मांग की और एसआईआर प्रक्रिया का विरोध किया। बांग्ला साहिब गुरुद्वारे से जंतर-मंतर की ओर बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना को देखते हुए, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की। इसमें दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे के बीच ट्रैफिक डायवर्जन की जानकारी दी गई है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे प्रभावित रास्तों से बचें, अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करें। यह विरोध प्रदर्शन अब यूनिवर्सिटी परिसरों तक भी पहुंच गया है। जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई) के पांच छात्रों की भूख हड़ताल शनिवार को 13वें दिन में प्रवेश कर गई। छात्र जामिया मिलिया इस्लामिया स्टूडेंट्स यूनियन (जेएमआईएसयू) को बहाल करने और यूनिवर्सिटी के चीफ प्रॉक्टर को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्रदर्शन की शुरुआत से ही भूख हड़ताल पर बैठे जासिम अली खान ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर दमनकारी कार्रवाई करने का आरोप लगाया और छात्रों के निलंबन को रद्द करने की मांग की।

जैश से संबंधों के आरोप ...

आजीविका चलाता था। मोहम्मद हसन का परिवार अब भी किशनगंज स्थित पैतृक गांव में रहता है। उसकी मां और भाभी गांव में हैं, जबकि पिता इलाज के सिलसिले में दिल्ली गए हुए हैं। बताया गया है कि मोहम्मद हसन छह भाइयों में से एक है और उसने हिफ्ज-ए-कुरान की पढ़ाई भी की है। महाराष्ट्र एटीएस ने शनिवार को मोहम्मद हसन को मुंबई के माहिम इलाके से गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी का दावा है कि उसके मोबाइल फोन से जैश-ए-मोहम्मद से संबंधित सामग्री और संगठन के संस्थापक मसूद अजहर की एक ऑडियो क्लिप मिली है। इसके अलावा जांच एजेंसी आरोपित के सोशल मीडिया अकाउंट और टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी पड़ताल कर रही है। इन गतिविधियों के आधार पर उसके संभावित संपर्कों और प्रतिबंधित संगठन से कथित संबंधों की जांच की जा रही है। इधर, युवक की गिरफ्तारी के बाद उसके परिजनों ने आरोपों को खारिज किया है। मोहम्मद हसन की भाभी ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि वह कभी भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि उसे साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। भाभी ने बताया कि मोहम्मद हसन अपने काम से मतलब रखने वाला सीधा-सादा व्यक्ति है। वह लंबे समय से परिवार से अलग मुंबई में रहकर इत्र बेचने और अन्य कामों से अपना गुजारा कर रहा था। करीब दो वर्ष पहले वह आखिरी बार अपने पैतृक गांव आया था। फिलहाल महाराष्ट्र एटीएस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। युवक पर लगे आरोपों और उसकी कथित संलिप्तता की वास्तविक स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

ईरान ने बंद की पाकिस्तान...

ईरान के अलावा इराक और ओमान से भी एलपीजी आयात करता है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावट के कारण इन देशों से आने वाली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, गाबद-रिमदान और तफ्तान सीमा बंद होने से एलपीजी से भरे सैकड़ों ट्रक और गैस टैंकर सीमा पर फंसे हुए हैं। इससे पाकिस्तान के बाजारों तक गैस पहुंचने में बाधा आई है। यदि सीमा पर आवाजाही और आयात में रुकावट लंबे समय तक जारी रहती है, तो संकट और गहरा सकता है। पाकिस्तान में एलपीजी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्टों के मुताबिक, बलूचिस्तान में 12 किलोग्राम के सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओं को 7,000 पाकिस्तानी रुपए तक देने पड़ रहे हैं। अलग-अलग शहरों में कीमतें और अधिक बताई जा रही हैं। **बलूचिस्तान :** 12 किलोग्राम का सिलेंडर करीब 7,000 पाकिस्तानी रुपए। लाहौर: सिलेंडर की कीमत लगभग 7,500 रुपए। **स्कार्दू :** कीमत करीब 8,200 रुपए। **खैबर पख्तूनख्वा :** यहां के कुछ इलाकों में सिलेंडर 10,000 रुपए से अधिक में बिकने की खबर। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि आयात और आपूर्ति में रुकावट जारी रही, तो कीमतें और बढ़ सकती हैं। साथ ही, बाजार में गैस की कमी के बीच कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आई हैं। एलपीजी के दाम बढ़ने से उन परिवारों की परेशानी बढ़ गई है, जो खाना पकाने और सर्दियों में गर्माहट के लिए इसी ईंधन पर निर्भर हैं। लाहौर के निवासी फरहत अब्बास ने रॉयटर्स को बताया कि पहले वह एलपीजी के लिए 250 पाकिस्तानी रुपए प्रति किलोग्राम देते थे, लेकिन अब उन्हें 500 से 600 रुपए प्रति किलोग्राम तक चुकाने पड़ रहे हैं। पाकिस्तान एलपीजी एसोसिएशन के अध्यक्ष इरफान खोखर ने चेतावनी दी है कि आपूर्ति में बाधा जारी रहने पर गैस की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी अधिक गंभीर हो सकती है। उनके मुताबिक, महंगी एलपीजी का असर अब दूसरी वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ने लगा है।

यूरोप के हथियार बाजार ...

तक ही सीमित था, लेकिन अब इसमें प्राइवेट सेक्टर,छोटे और मीडियम सेक्टर (एमईएमएस) और भारत में तेजी से मजबूत हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम को भी शामिल किया जा रहा है। डिफेंस सेक्रेटरी ने बताया कि इस बदलाव के आर्थिक और परिचालन संबंधी ठोस लाभ वैश्विक स्तर पर दिखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत के रक्षा इकोसिस्टम में जबरदस्त वृद्धि हुई है। 16 बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अलावा, अब हमारे पास औद्योगिक लाइसेंस वाली लगभग 840 बड़ी और मध्यम आकार की कंपनियां हैं। इसके साथ ही, स्टार्टअप्स सहित लगभग 17,000 छोटे और मीडियम सेक्टर भी इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इस विविध औद्योगिक आधार का परिणाम घरेलू बिक्री के मूल्य में साफ नजर आ रहा है, जो अब लगभग 17 बिलियन यूरो तक पहुंच गया है। हाल की व्यापार रिपोर्टों पर चर्चा करते हुए, डिफेंस सेक्रेटरी ने बताया कि पिछले एक साल में अंतर्राष्ट्रीय बाजार की स्थिति काफी हद तक भारत के पक्ष में बदल गई है। सिंह ने कहा कि हमारा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए (लगभग 3.6 बिलियन यूरो) के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। मैंने कल ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट पढ़ी, जिसमें बताया गया था कि पिछले एक साल में भारत अचानक यूरोप को हथियार निर्यात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। इसका मुख्य कारण रीआर्म यूरोप पहल है। नतीजतन, यूरोप को बड़ी संख्या में विभिन्न प्रकार के मानक गोला-बारूद, आर्टिलरी शेल (तोप के गोले), और छोटे-बड़े कैलिबर वाले गोला-बारूद का निर्यात किया जाने लगा है। उन्होंने आगे कहा कि अब हम 80 से अधिक देशों को निर्यात करते हैं। नीति के स्तर पर, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि हर साल हमारे पूंजीगत व्यय का 75 प्रतिशत हिस्सा—जो सालाना लगभग 20 से 25 बिलियन डॉलर के बीच होता है—देश के भीतर ही खर्च हो। साथ ही, तकनीकी आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए हम आईडीडीएम (भारत में डिजाइन, विकसित और निर्मित) को प्राथमिकता देते हैं। डिफेंस सेक्रेटरी सिंह के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिसके तहत दुनिया भर के 80 से अधिक देशों को रक्षा उत्पाद भेजे जा रहे हैं। भारी तोपखाने और गोला-बारूद के अलावा, भारत से निर्यात किए जाने वाले रक्षा सामानों में हेलमेट और बुलेटप्रूफ जैकेट जैसे सामरिक उपकरण से लेकर छोटे हथियार तक शामिल हैं।

नेहा बोरा ने पीस ...

मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पीस बॉन्ड पर साइन नहीं करेंगी। इससे एक दिन पहले ही दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी थी, जिसमें उनसे 10,000 रुपए का निजी मुचलका (पर्सनल बॉन्ड) देने और पीस बॉन्ड भरने को कहा गया था। इस नोटिस पर सवाल उठाते हुए नेहा बोरा ने पूछा कि मुझे किसकी शांति बनाए रखने के लिए कहा जा रहा है? दरअसल, बीएनएसएस की धारा 126 के तहत 17 अक्तूबर को जारी नोटिस में नेहा को 19 अक्तूबर को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश होने और यह बताने के लिए कहा गया था कि उन्हें जांच की अवधि के दौरान शांति बनाए रखने के लिए 10,000 रुपए का निजी मुचलका और पीस बॉन्ड पर साइन क्यों नहीं करना चाहिए। इस बीच नेहा बोरा को स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की ओर से वो दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं, जिनके आधार पर उन्हें पीस बॉन्ड भरने के लिए नोटिस जारी किया गया था। दरअसल, बीते शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने नोटिस के खिलाफ नेहा बोरा की याचिका को खारिज करते हुए एसईएम को निर्देश दिया था कि वो नेहा बोरा को संबंधित मैटेरियल उपलब्ध कराएं। नेहा बोरा ने कहा कि सड़कों पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार के खिलाफ चिंताएं जताना *शांति के लिए खतरा* कैसे माना जा सकता है। उन्होंने पूछा कि अगर हम सरकार से कोई सवाल नहीं पूछेंगे, तो हम किसकी शांति बनाए रख रहे हैं? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने और असहमति जताने का अधिकार लोकतंत्र का एक बुनियादी हिस्सा है। बोरा ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लड़ाई चाहे किसी भी दिशा में जाए, लेकिन इसके लिए असहमति जताने के अधिकार को शांति के लिए खतरा करार नहीं दिया जाना चाहिए।

पूरबी राय भाजपा महिला मोर्चा की असम प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम प्रदेश इकाई ने वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता पूरबी राय को भाजपा महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने 24 अक्तूबर को जारी एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से इस नियुक्ति की घोषणा की। नियुक्ति पत्र में पूरबी राय की वरिष्ठता और पार्टी के प्रति उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपे जाने की बात कही गई है। दिलीप सैकिया ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। इस नियुक्ति पत्र की प्रतिलिपि भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं महिला मोर्चा की प्रभारी रूपम कुमारी चौधरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा, भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री, असम की मंत्री नंदिता गार्लोसा तथा अन्य संबंधित नेताओं को भेजी गई है।

असम में एमबीबीएस फीस वृद्धि का स्वास्थ्य मंत्री ने किया बचाव

कहा, निजी मेडिकल कॉलेजों से काफी कम है फीस

गुवाहाटी (हिंस)। असम के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने शनिवार को राज्य सरकार के एमबीबीएस पाठ्यक्रम की फीस बढ़ाने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि संशोधित फीस निजी मेडिकल कॉलेजों की तुलना में काफी कम है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सोच-समझकर फीस बढ़ाने का निर्णय लिया है और नई व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों के परिवार की वार्षिक आय के आधार पर फीस निर्धारित की गई है। गुवाहाटी में आयोजित आज संवाददाता सम्मेलन में सिंघल ने कहा कि निजी मेडिकल संस्थानों में चिकित्सा शिक्षा पर लगभग 40 लाख रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं, जबकि राज्य सरकार ने फीस में अपेक्षाकृत मामूली वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि निजी संस्थानों में लोगों को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए करीब 40 लाख रुपए देने पड़ते हैं। इसके मुकाबले राज्य सरकार ने फीस में बहुत कम वृद्धि की है। संशोधित शुल्क संरचना के अनुसार, जिन विद्यार्थियों के परिवार की वार्षिक आय 9 लाख रुपए से अधिक है, उन्हें प्रति वर्ष एक लाख रुपए फीस देनी होगी। वहीं, 4 लाख से 9 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले परिवारों के विद्यार्थियों को सालाना 50,000 रुपए देने होंगे। जिन परिवारों की वार्षिक आय 4 लाख रुपए से कम है, उनके विद्यार्थियों के लिए फीस 5,000 रुपए प्रतिवर्ष निर्धारित की गई है। यह व्यवस्था परिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर विद्यार्थियों पर फीस का बोझ तय करती है। गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के विद्यार्थियों को सबसे कम फीस देनी होगी। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में किफायती चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष असम में लगभग 33 से 34 किडनी प्रत्यारोपण किए गए थे। प्रत्येक प्रत्यारोपण पर 2.5 लाख से 3 लाख रुपए तक खर्च आया था। उनके अनुसार, इन प्रक्रियाओं का खर्च प्रधानमंत्री आरोग्य निधि और मुख्यमंत्री आरोग्य निधि योजनाओं के तहत वहन किया गया। सिंघल ने बताया कि पिछले तीन महीनों में राज्य में 30 से अधिक नए डायलिसिस केंद्र शुरू किए गए हैं। इससे किडनी संबंधी बीमारियों से पीड़ति मरीजों को उपचार की बेहतर सुविधा मिल रही है। मंत्री के बयान से स्पष्ट है कि सरकार एक ओर चिकित्सा शिक्षा की फीस निर्धारित करने और दूसरी ओर आम लोगों को सस्ती विशेष चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। हालांकि, एमबीबीएस फीस में वृद्धि और विभिन्न आय वर्गों के विद्यार्थियों पर इसके प्रभाव को लेकर चर्चा जारी रहने की संभावना है।

बिश्वनाथ मेडिकल कॉलेज जल्द होगा शुरू, स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने लिया तैयारियों का जायजा

बिश्वनाथ (हिंस)। असम के विश्वनाथ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को जल्द ही आम जनता के लिए शुरू किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने शनिवार को नवनिर्मित संस्थान का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसके शुरू होने के बाद यह असम का 16वां मेडिकल कॉलेज होगा। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवनों, पुस्तकालय, छात्र-छात्राओं के छात्रावास और चिकित्सकों व नर्सों के आवास सहित विभिन्न सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सिंघल ने कहा कि राज्य में 10 मेडिकल कॉलेजों का निर्माण जारी है, जबकि चार अन्य कॉलेजों का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा। नए संस्थानों से चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी। इसके बाद मंत्री ने जिला स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने, उच्च जोखिम वाले गर्भधारण की पहचान करने और अस्पतालों में प्रसव की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया।

बंगाईगांव में फरार दो मादक पदार्थ तस्करों की संपत्ति जब्त करने की तैयारी

बंगाईगांव (हिंस)। असम के बंगाईगांव जिले के मानिकपुर में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपियों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। फरार दो आरोपियों सिराजुल हक और मोबारक हुसैन की संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। प्रशासन की ओर से दोनों की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि सिराजुल हक और मोबारक हुसैन बंगाईगांव जिले के मानिकपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नंबर दो भंडारा गांव के निवासी हैं। दोनों के खिलाफ बंगाईगांव थाने में कई मामले दर्ज हैं। हालांकि, दोनों आरोपी अभी तक फरार बताए जा रहे हैं। प्रशासन का उद्देश्य मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाना है। इसी क्रम में दोनों की संपत्तियों की जानकारी एकत्र की जा रही है, ताकि नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की जा सके।

डॉ. भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा का भाजपा ने किया स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रसिद्ध पाश्व गायिका ऊषा मंगेशकर को डॉ. भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही असम सरकार ने वर्ष 2025 के राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की घोषणा की है तथा श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार की राशि बढ़ाकर 15 लाख रुपए कर दी है। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया ने शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के इन निर्णयों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों से असम की सांस्कृतिक विरासत, रचनात्मक प्रतिभाओं और राष्ट्रीय गौरव को नई पहचान मिलेगी। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से पार्टी की मीडिया पैनलिस्ट उमी डेका बरुवा द्वारा जारी बयान में सैकिया ने कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका केवल असम ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर थे। उनके कालजयी गीतों, मानवतावादी विचारों और सार्वभौमिक दृष्टिकोण ने भाषा एवं क्षेत्र की सीमाओं से परे मानव एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में डॉ. हजारिका को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित कर उनके अतुलनीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी थी। जन्म शताब्दी के अवसर पर 29 नवंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में ऊषा मंगेशकर को डॉ. भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सैकिया के अनुसार, इससे असम की सांस्कृतिक परंपराओं और भारतीय संगीत जगत के बीच संबंध और मजबूत होंगे। कार्यक्रम में असम के लगभग 1,000 गायक-गायिकाएं डॉ. हजारिका के प्रसिद्ध गीत *मानुहे मानुहर बाबे* और *वी आर इन द सेम बोट, ब्रदर* प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि इन प्रस्तुतियों के माध्यम से महान कलाकार के मानवतावादी विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सैकिया ने वर्ष 2025 के राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की घोषणा का भी स्वागत किया। प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. हर्ष भट्टाचार्य को राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मान *असम वैभव* के लिए चुना गया है। वहीं, डॉ. कुशल कोंवर शर्मा, नुरुद्दीन अहमद, पुलक बनर्जी और पूर्णिमा देवी बर्मन को *असम सौरव* सम्मान प्रदान किया जाएगा। *असम गौरव* सम्मान के लिए देवीप्रसाद बागड़ोदिया, हलीचरण नार्जारी, सिमू दास, हरकांत बसुमतारी, धनजीत तालुकदार, निवेदिता येन, मायंक चक्रवर्ती, जितेन सरफांगसा, तनुमाया सोनोवाल विश्वकर्मा और दीकपाल लाहन सहित अन्य व्यक्तियों का चयन किया गया है। सैकिया ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करने से समाजसेवा, चिकित्सा, संस्कृति और खेल जगत से जुड़े लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा।

जाली नोटों के कथित कारोबारी अब्दुल गफूर को दिसपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में जाली नोटों के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दिसपुर पुलिस ने कथित जाली नोट तस्कर अब्दुल गफूर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि शुक्रवार देर रात मंगलदै से उसे गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिसपुर पुलिस ने इससे पहले जाली नोटों के कारोबार के सिलसिले में अजय विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान अजय विश्वकर्मा ने कथित तौर पर अब्दुल गफूर का नाम लिया था। बताया जाता है कि अजय विश्वकर्मा ने पुलिस को जानकारी दी थी कि अब्दुल गफूर के नेतृत्व में गुवाहाटी में जाली नोटों का कारोबार बड़े पैमाने पर चल रहा था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने गफूर की तलाश तेज कर दी थी। शुक्रवार रात मंगलदै से गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर रही है। जांच के दौरान पुलिस जाली नोटों के कारोबार के नेटवर्क, इसमें शामिल अन्य लोगों तथा नकली नोटों के वितरण से जुड़े पहलुओं का पता लगाने का प्रयास कर रही है। मामले में आगे की जानकारी पुलिस की जांच पूरी होने के बाद सामने आने की संभावना है।

प्राचीन पुस्तकों के संरक्षण और अध्ययन के लिए नई पीढ़ी को प्रेरित करने वाले धनजीत तालुकदार को *असम गौरव* सम्मान

गुवाहाटी (हिंस)। असम की प्राचीन संस्कृति, परंपरा और ज्ञान-परंपरा के संरक्षण की दिशा में लंबे समय से काम कर रहे गुवाहाटी विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के संरक्षण विभाग के सहायक संरक्षक धनजीत तालुकदार को *असम गौरव* सम्मान से सम्मानित करने के लिए राज्य सरकार ने चयनित किया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली में 29 नवंबर को आयोजित होने वाले समारोह में प्रदान किया जाएगा। एक पांडुलिपि शोधकर्ता और प्रशिक्षक के रूप में, सांची के पत्तों की पांडुलिपियों से लेकर ब्रिटिश शासनकाल के दौरान कागज पर लिखी गई विभिन्न प्राचीन पांडुलिपियों जैसे अमूल्य धरोहरों का संरक्षण करना और इस ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना तालुकदार का मुख्य उद्देश्य रहा है। प्राचीन पांडुलिपियों में इतिहास, संस्कृति, परंपरा और कई महत्वपूर्ण जानकारियों का खजाना छिपा हुआ है। लेकिन आज की पीढ़ी के कई लोग इन पुस्तकों को पढ़ और समझ नहीं पाते हैं। इन पुस्तकों में इस्तेमाल किए गए कई शब्दों के अनेक अर्थ होने के कारण उनके वास्तविक महत्व को समझने के लिए विशेष अध्ययन और अभ्यास की आवश्यकता होती है। इस बात को समझते हुए, गौहाटी विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष (लाइब्रेरियन) धनजीत तालुकदार ने युवा पीढ़ी को प्राचीन पांडुलिपियों को पढ़ने और उनका अध्ययन करने के लिए प्रेरित करने की पहल की है। इस कार्य के अलावा उन्होंने पांडुलिपियों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (नेशनल मैन्यूस्क्रिप्ट मिशन) की शुरुआत के समय से ही वे इस महायज्ञ से जुड़ गए थे। उन्होंने विभिन्न सत्रों और गांवों में जाकर लोगों के घरों में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों की पहचान करने और उनके उचित संरक्षण की व्यवस्था करने के कार्य में हिस्सा लिया। उनके प्रयासों से पचास से अधिक सत्रों में पांडुलिपियों के संरक्षण का कार्य किया गया। उन्होंने निश्चित नियमों के अनुसार पुस्तकों की सफाई, धूल हटाना, उन्हें उपयुक्त वातावरण में रखना और अन्य संरक्षण संबंधी कदम उठाए। हालांकि, विभिन्न सत्रों में काम करने के दौरान उन्होंने महसूस किया कि कई जगहों पर लोग प्राचीन पांडुलिपियों को पढ़ना नहीं जानते हैं। परिणामस्वरूप, पांडुलिपियों के प्रति उनकी रुचि भी कम है। यद्यपि कुछ सत्रों में पांडुलिपि अध्ययन की परंपरा आज भी बनी हुई है, लेकिन अधिकांश मामलों में यह अभ्यास सीमित हो गया है। इसलिए, उनका मानना है कि केवल पांडुलिपियों का संरक्षण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें पढ़ना, समझना और उनमें निहित ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी आवश्यक है। इसी सोच के साथ प्राचीन पांडुलिपियों को पढ़ने और सिखाने की यात्रा शुरू हुई। उन्हें पहली बार तेजपुर विश्वविद्यालय में इस विषय पर व्याख्यान देने का अवसर मिला। इसके बाद विभिन्न संस्थानों और संगठनों से आमंत्रण आने लगे। धीरे-धीरे उनकी यह पहल और अधिक व्यापक हो गई। उन्होंने विभिन्न महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों का दौरा कर छात्र-छात्राओं को प्राचीन पांडुलिपियां पढ़ना और समझना सिखाने का प्रयास जारी रखा। उनके अनुसार, प्राचीन पांडुलिपियों में न केवल ऐतिहासिक जानकारी है, बल्कि कई आकर्षक कहानियां और मूल्यवान ज्ञान संपदा भी शामिल है। इन पांडुलिपियों के अध्ययन के माध्यम से नई पीढ़ी के बीच असम के नामघरों, सत्रों तथा राज्य की परंपरा और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना संभव है। वे लगभग पंद्रह वर्षों से पांडुलिपि अध्ययन और अध्यापन से जुड़े हुए हैं। उनके प्रयासों के कारण आज कई छात्र-छात्राएं प्राचीन पांडुलिपियों को पढ़ने और शोध करने के प्रति रुचि दिखा रहे हैं। युवा पीढ़ी में इस रुचि के पैदा होने को वे अपने काम की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक मानते हैं। हाल ही में असम सरकार ने उन्हें *असम गौरव* सम्मान से सम्मानित करने के लिए चयनित किया है।

असम में सभी 31,486 मतदान केंद्रों पर *वोट रक्षक* तैनात करेगी कांग्रेस, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने राज्य के सभी 31,486 मतदान केंद्रों और 669 नगरपालिका वार्डों में *वोट रक्षक* नियुक्त करने की घोषणा की है। इनका उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना, योग्य मतदाताओं के नाम हटाए जाने की शिकायतों पर नजर रखना तथा फर्जी और अनधिकृत नामों को शामिल होने से रोकना है। कांग्रेस ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर भारत निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी की। शनिवार को गुवाहाटी स्थित राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पूर्व विधायक सत्यब्रत कलिता, एपीसीसी के महासचिव (प्रशासन) बिपुल गोगोई तथा मीडिया एवं संचार विभाग के अध्यक्ष बेदब्रत बोरा उपस्थित थे। सत्यब्रत कलिता ने पांच फरवरी को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के महज आठ महीने के भीतर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कराए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के प्रति जनता के विश्वास में कमी और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों के कारण आयोग को दोबारा पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ी है। उन्होंने असम के विद्यार्थियों और युवाओं से अपील की कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी पात्र नागरिक फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की सुविधा के लिए ऑनलाइन व्यवस्था के साथ ऑफलाइन पंजीकरण प्रक्रिया को भी प्रभावी बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कलिता ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया को अंचल अधिकारियों से हटाकर जिला आयुक्त कार्यालय तक सीमित कर दिए जाने से आम नागरिकों और गांव के प्रधानों को परेशानी हो रही है। उन्होंने निर्वाचन आयोग के जागरूकता अभियान की भी आलोचना करते हुए कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 10 होर्डिंग लगाने की मांग के बावजूद आयोग ने बजट की कमी का हवाला देते हुए मुख्य रूप से संवाददाता सम्मेलनों और सामाजिक माध्यमों के जरिए प्रचार करने का विकल्प चुना। मतदाता सूची में कथित त्रुटियों पर आपत्ति दर्ज कराने से संबंधित नियमों पर सवाल उठाते हुए कलिता ने कहा कि एक व्यक्ति द्वारा अधिकतम 10 लोगों के नामों के संबंध में ही शिकायत दर्ज कराने की सीमा व्यावहारिक समस्याएं पैदा कर सकती है।

उत्तर-पूर्व कराटे प्रतियोगिया में रंगिया की दिया मेधि ने जीता स्वर्ण पदक

रंगिया (विभास)। पूर्वोत्तर के खेल जगत में असम की प्रतिभा एक बार फिर चमकी है। मेघालय के शिलोंग में 22 अक्तूबर से 24 अक्तूबर तक आयोजित *पांचवीं नॉर्थ-ईस्ट जोन कराटे प्रतियोगिता* में असम टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए रंगिया की दिया मेधि ने स्वर्ण पदक हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। प्रतियोगिता की कुमिते शाखा की अपनी निर्धारित वजन श्रेणी में भाग लेते हुए दिया ने शानदार खेल कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए यह गौरवशाली सफलता हासिल की है। उनकी इस दुर्लभ सफलता ने न केवल रंगिया बल्कि पूरे असम के लिए आनंद और गर्व का माहौल पैदा किया है। दिया मेधि की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए स्थानीय लोगों, विभिन्न खेल संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने गहरी उम्मीद जताई है कि आने वाले दिनों में भी दिया राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश और राज्य का नाम रोशन करेंगी।

दुमदुमा में भीषण सड़क हादसे में तीन की मौत, टक्कर के बाद वाहनों में लगी आग

तिनसुकिया (हिंस)। असम के तिनसुकिया जिले के दुमदुमा में शनिवार शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल, थार एसयूवी और कच्ची चायपत्ती ले जा रही टाटा डीआई गाड़ी के बीच हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एएस-23-डीसी-5936 नंबर की टाटा डीआई गाड़ी ने एक थार एसयूवी, मोटरसाइकिल और सड़क पर चल रहे एक राहगीर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुर्घटना के बाद चायपत्ती ले जा रही डीआई गाड़ी और मोटरसाइकिल में आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में सुब्रत भट्ट, पिंटू तांती और गणेश प्रजा की मौत होने की जानकारी मिली है। दुर्घटना में मोटरसाइकिल पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना के बाद दुर्घटनास्थल पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

लामडिंग में प्रशासनिक आदेश : आईओसीएल टर्मिनल के 500 मीटर के दायरे में पटाखे और स्काई लैंटर्न चलाने पर पूरी तरह रोक

होजाई (निसं)। आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए लामडिंग सह-जिला प्रशासन ने एक कड़ा कदम उठाया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लामडिंग टर्मिनल के आसपास के इलाकों में पटाखे फोड़ने और स्काई लैंटर्न उड़ाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। पेट्रोलियम इंस्टॉलेशन के पास आग से होने वाले संभावित खतरों को टालने के लिए यह निर्णय लिया गया है। लामडिंग के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सह सह-जिला आयुक्त चंदन बरगोहाई, एसीएस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए यह आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई आईओसीएल लामडिंग टर्मिनल के सीनियर टर्मिनल मैनेजर द्वारा दिए गए उस औपचारिक अनुरोध के बाद की गई है, जिसमें आगामी त्योहारों के मद्देनजर टर्मिनल के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और आतिशबाजी व स्काई लैंटर्न से जुड़े खतरों को लेकर जन जागरूकता फैलाने की मांग की गई थी। इन गतिविधियों पर रहेगा कड़ा प्रतिबंध। नए प्रशासनिक आदेश के अनुसार, निम्नलिखित गतिविधियों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। सभी प्रकार के पटाखे और फ्लाइंग क्रैकर्स (हवा में छूटने वाले पटाखे) फोड़ना। फ्लाइंग लैंटर्न (स्काई लैंटर्न) जलाना या हवा में छोड़ना। खुली आग या गर्मी (ओपन फ्लेम) से जुड़ी अन्य कोई भी खतरनाक गतिविधि करना। यह सभी पाबंदियां आईओसीएल लामडिंग टर्मिनल परिसर से 500 (पाँच सौ) मीटर की परिधि (रेडियस) के भीतर कड़ाई से लागू होंगी। पुलिस गश्त और उल्लंघन पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई मानव जीवन और संपत्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, जो अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं: लामडिंग थाने के प्रभारी अधिकारी को टर्मिनल के आसपास नियमित रूप से पुलिस गश्त (पट्रोलिंग) बढ़ाने और आदेश का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 223 और अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आम जनता और सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे क्षेत्र की सुरक्षा और संरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन नियमों का पूरी तरह से पालन करें।

आशा कर्मियों और सुपरवाइजरों को प्रशंसा पत्र एवं प्रेरणादायक मानदेय का चेक वितरित

रंगिया (विभास)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों का राजनीतिक कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शुरू किए गए सेवा संकल्प अभियान के हिस्से के रूप में पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र की आशा कर्मियों और आशा सुपरवाइजरों को विधायक हिमांशु शेखर वैश्य द्वारा प्रशंसा पत्र एवं प्रेरणादायक मानदेय का चेक वितरित किया गया। गर्भवती महिलाओं की शुरुआती अवस्था से लेकर बच्चे के जन्म तक कड़ी मेहनत कर प्रसूताओं की सेवा करने के लिए यह प्रशंसा पत्र और चेक प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में पलाशबाड़ी के विधायक के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त आयुक्त मोनिका बुरहागोहाई, बीपीएम (एनएचएम) स्मिता सैकिया, एचडीएमओ उपाहारली स्वास्थ्य केंद्र डॉ. गर्गराम माली, एचडीएमओ रामपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डॉ. अबुल हुसैन, आंचलिक पंचायत अध्यक्ष मोरमी चौधरी, जिला परिषद सदस्य जीतू नाथ, गांव पंचायत अध्यक्ष हिरण दास, समाजसेवी खनींद्र मेधी, माणिक सिंह तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

संपादकीय

भारत-अमरीका तेल गठबंधन

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अचानक इतने विनम्र और दोस्ताना क्यों हो गए हैं? भारत के लिए अच्छी-अच्छी बातें करने लगे हैं? उन्हें पूरी उम्मीद है कि भारत के साथ व्यापार-समझौता जल्द होगा। ट्रंप लगातार बयान देते रहे हैं कि यह समझौता अंतिम चरण में है। अमरीकी राष्ट्रपति ने अपने प्रतिनिधि के तौर पर विदेश मंत्री एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो को भारत भेजा। तीन दिन के प्रवास के दौरान रूबियो ने भारत को 'रिफाइनिंग सुपरपॉवर' करार दिया। उन्होंने रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी के अलावा अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन सरीखे शीर्ष उद्योगपतियों से मुलाकातें कीं। यह कमर्शियल कूटनीति का स्पष्ट संकेत है। अमरीकी विदेश मंत्री को रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी तक जाना पड़ा, क्योंकि वह जानते हैं कि वेनेजुएला के सल्फर-बहुल, भारी, निम्न दर्जे के कच्चे तेल का शोधन जामनगर रिफाइनरी ही कर सकती है। रिफाइनिंग के क्षेत्र में भारत अमरीका, चीन, रूस के बाद चौथा सक्षम देश है और जामनगर समेत भारत की 23 रिफाइनरियां दुनिया में 21 फीसदी से अधिक भागीदारी निभा रही हैं। अमरीका और यूरोप भारत के पेट्रो उत्पादों-डीजल, पेट्रोल, विमान ईंधन आदि-के बड़े खरीददार हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था और प्रभुत्व का यह नया चेहरा तब सामने आया है, जब अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने राष्ट्रपति ट्रंप की इच्छा जाहिर की है कि तेल के क्षेत्र में भारत-अमरीका गठबंधन बनाया जाए। भारत अमरीका का रणनीतिक साझेदार तो है, लेकिन भारत अपनी तेल-जरूरतों की पूर्ति अमरीका के जरिए कर सकता है। इस तरह अमरीका भारत के साथ संबंधों को नया आधार, आयाम और नई मजबूती देने का पक्षधर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने वाला कानून फिलहाल ठंडे बस्ते में रख दिया है, क्योंकि खुद अमरीका रूस से डीजल का आयात कर रहा है। नए परिदृश्य में हमने अमरीका से जनवरी-सितंबर में करीब 1.28 लाख बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन खरीदा था, लेकिन अक्तूबर में यह आयात घटा कर करीब 91,000 बैरल करना पड़ा। अमरीकी तेल कई दिनों बाद सप्लाई होता है और परिवहन की लागत के कारण महंगा भी पड़ रहा था। भारत अमरीका से 8 अरब डॉलर से अधिक का तेल आयात करता है। बहरहाल भारत ने रूस से तेल का आयात जारी रखा है, लेकिन खाड़ी देशों पर निर्भरता काफी कम कर दी है। ईरान युद्ध और समुद्री मार्ग की नाकेबंदी बुनियादी वजह हो सकती है। चूंकि वेनेजुएला दुनिया में सबसे बड़ा तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है, उस पर अब अमरीका का कब्जा है, लिहाजा विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विकल्प रखे हैं कि भारत अब रूस के बजाय अधिकतम तेल अमरीका से ही आयात करे। अमरीका ने अब प्रतिबंधों की भाषा बोलनी बंद कर दी है। अमरीका वेनेजुएला का भारी तेल रिलायंस रिफाइनरी से ही शोधित कराना चाहता है, डाटा क्षेत्र में भी अंबानी, अदाणी समूहों की काफी सक्रिय भूमिका है, लिहाजा आज अमरीका अप्रत्याशित रूप से विनम्र दिख रहा है और भारत के साथ तेल गठबंधन की बात कर रहा है। कभी अमरीका भारत को 'बाजार और उद्योग की चींटी' मानता था, लिहाजा बात करना भी अपना अपमान समझता था, लेकिन अब विश्व और व्यापार के समीकरण बदल चुके हैं। भारत अब विश्व-व्यवस्था में महाशक्ति के तौर पर मौजूद है। यह नए दौर, नई व्यवस्था, नई 'सुपरपॉवर' के साथ नए किस्म के राजनयिक संबंधों की शुरुआत है। वैसे भी राष्ट्रपति ट्रंप अभी अपनी राजनीति और लोकप्रियता के निम्नतम पायदान पर हैं, उन्हें करीब 31 फीसदी लोग ही समर्थन दे रहे हैं, करीब 68 फीसदी अमरीकी उनकी आर्थिक नीतियों के खिलाफ हैं, उनमें 37 फीसदी रिपब्लिकन समर्थक भी हैं, लिहाजा उन्हें कुछ कर दिखाने की जरूरत है। अमरीका को पेट्रो उत्पादों की सख्त जरूरत है, डीजल-पेट्रोल के दाम अप्रत्याशित स्तर पर बताए जा रहे हैं, ईरान युद्ध में अमरीका के करीब 265 अरब डॉलर फूंक दिए जा चुके हैं, लिहाजा ट्रंप रक्षात्मक स्थिति में हैं कि लोकप्रियता को कैसे बहाल किया जाए? भारत इस संदर्भ में मदद कर सकता है, क्योंकि तेल-शोधन की उसकी क्षमताएं अमरीका भी जान चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत ट्रंप पर निर्णायक विश्वास करने का जोखिम उठा सकता है? ट्रंप की जिस तरह की गतिविधियां रही हैं, उनको देखते हुए उन पर विश्वास करना कठिन है। वह पहले दिन कहते हैं कि ईरान से जंग खत्म होने वाली है, और दूसरे दिन कहते हैं कि अमरीका उस पर निर्णायक प्रहार करेगा। पहले दिन कहते हैं कि भारत पर ज्यादा टैक्स नहीं लगेगा, दूसरे दिन सौ प्रतिशत कर लगाने की बात दोहराते हैं। इस तरह की उनकी मनोस्थिति में उन पर विश्वास नहीं होता है।

भारत अमरीका से 8 अरब डॉलर से अधिक का तेल आयात करता है। बहरहाल भारत ने रूस से तेल का आयात जारी रखा है, लेकिन खाड़ी देशों पर निर्भरता काफी कम कर दी है। ईरान युद्ध और समुद्री मार्ग की नाकेबंदी बुनियादी वजह हो सकती है। चूंकि वेनेजुएला दुनिया में सबसे बड़ा तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है, उस पर अब अमरीका का कब्जा है, लिहाजा विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विकल्प रखे हैं कि भारत अब रूस के बजाय अधिकतम तेल अमरीका से ही आयात करे। अमरीका ने अब प्रतिबंधों की भाषा बोलनी बंद कर दी है। अमरीका वेनेजुएला का भारी तेल रिलायंस रिफाइनरी से ही शोधित कराना चाहता है, डाटा क्षेत्र में भी अंबानी, अदाणी समूहों की काफी सक्रिय भूमिका है, लिहाजा आज अमरीका अप्रत्याशित रूप से विनम्र दिख रहा है और भारत के साथ तेल गठबंधन की बात कर रहा है। कभी अमरीका भारत को 'बाजार और उद्योग की चींटी' मानता था, लिहाजा बात करना भी अपना अपमान समझता था, लेकिन अब विश्व और व्यापार के समीकरण बदल चुके हैं। भारत अब विश्व-व्यवस्था में महाशक्ति के तौर पर मौजूद है। यह नए दौर, नई व्यवस्था, नई 'सुपरपॉवर' के साथ नए किस्म के राजनयिक संबंधों की शुरुआत है। वैसे भी राष्ट्रपति ट्रंप अभी अपनी राजनीति और लोकप्रियता के निम्नतम पायदान पर हैं, उन्हें करीब 31 फीसदी लोग ही समर्थन दे रहे हैं।

कुछ अलग

जमानत मिली तो लाखों पाए..

एक मुहावरा हम लंबे समय से सुनते आए हैं- जान बची तो लाखों पाए। लेकिन अब वक्त के साथ व्यवस्था भी बदल गई है और मुहावरों ने भी अपना नए संस्करण बाजार में उतार दिए हैं। आज के दौर का नया मुहावरा है- जमानत मिली तो लाखों पाए। जान बचने की खुशी तो फिर भी समझ में आती है, लेकिन अब जमानत मिल जाए तो समझिए जिंदगी की सबसे बड़ी लॉटरी निकल आई। आज के हालात में कब कौन किस लफड़े में फंस जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। सरकार की प्रशंसा करो तो विरोधी सवालों की तलवारें निकाल लेते हैं और सरकार की आलोचना करो तो सत्ता के गलियारों में आपकी कुंडली खंगाली जाने लगती है। यानी इधर कुआं, उधर खाई। आदमी जाए तो जाए कहां! ऐसे में समझदार लोग बोलने से पहले भी सोचते हैं और चुप रहने से पहले भी। क्योंकि अब चुप्पी भी कई बार बयान समझ ली जाती है। उधर सरकार की अपनी परेशानियां हैं।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस पर विशेष

कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतम की संवेदनाओं, अनुभूतियों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पत्थर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने, चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्षों से घिरा हुआ है, तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकी है? यदि नहीं, तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय चेतना की ओर लौटना होगा, जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। वर्तमान विश्व की विडंबना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, संचार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्रों को परस्पर निर्भर बनाया है; दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास, घृणा और संघर्ष की दीवारें भी ऊँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरते परिवार, आतंकवाद की भेंट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन की पीड़ा झेलते बच्चे और वर्चस्व की राजनीति में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल ऊँची इमारतों, आधुनिक हथियारों, विशाल बाजारों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है, अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुंदर, स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं, बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए। राजनीति और कूटनीति जहाँ कई बार हितों, सीमाओं और शक्ति-संतुलन के गणित में उलझ जाती हैं, वहीं कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुख और साझा आनंद को सामने लाती है। एक चित्रकार युद्ध से उजड़े घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का दर्द दिखाई देता है। एक संगीतकार जब करुणा से भरी धुन छेड़ता है, तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम, किसी नर्तकी की भाव-भंगिमा में झलकती पीड़ा और किसी मूर्तिकार की रचना में उभरती मानवीय गरिमा भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर हृदयों को जोड़ती है। यही कला की वह शक्ति है, जो शत्रुता के बीच संवाद, निराशा के बीच आशा और विभाजन के बीच आत्मीयता के पुल बना सकती है। कला और युद्ध के बीच का अंतर भी गहरे चिंतन का विषय है। युद्ध की मानसिकता दूसरे को पराजित करने में अपनी विजय खोजती है, जबकि कला दूसरे के अनुभव को समझने की दृष्टि प्रदान करती है। युद्ध सीमाओं पर दीवारें खड़ी करता है, कला उन दीवारों के पार झाँकना सिखाती है। हथियार शरीर को घायल करते हैं, किंतु घृणा मनुष्य की आत्मा को भी आहत करती है; कला उस आत्मा के घावों को भरने का प्रयास करती है। जहाँ हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है, वहीं सच्चा कलात्मक सृजन सहानुभूति और आत्ममंथन की प्रेरणा देता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कला अकेले युद्ध रोक सकती है अथवा कलाकारों की अभिव्यक्ति मात्र से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। युद्धों को रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, न्यायपूर्ण नीतियाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी संस्थाएँ आवश्यक हैं। लेकिन इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए ऐसी मानवीय चेतना चाहिए, जो हिंसा को गौरव और शांति को कमजोरी न समझे। कला इसी चेतना के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कला का संबंध केवल मनोरंजन से नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता से भी रहा है। यहाँ संगीत साधना है, नृत्य भावों की अभिव्यक्ति है, साहित्य लोकमंगल की चेतना है और लोककला समुदायों की स्मृति एवं पहचान का जीवंत दस्तावेज है। जैन दर्शन का अहिंसा और अनेकांत का संदेश भी हमें सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दृष्टियों की विविधता का सम्मान आवश्यक है। अनेकांत की भावना कला की प्रकृति से मेल खाती है, क्योंकि एक ही दृश्य, घटना अथवा अनुभूति को अलग-अलग कलाकार भिन्न दृष्टिकोणों से अभिव्यक्त कर सकते हैं। इन विविध अभिव्यक्तियों को स्थान देना संवाद, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को मजबूत करता है। इसके बावजूद आज कलाकारों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। बाजार का दबाव कई बार कला को केवल लाभ और लोकप्रियता की कसौटी पर परखता है। त्वरित प्रसिद्धि की चाह, अभिव्यक्ति पर अनुचित प्रतिबंध, सांस्कृतिक असहिष्णुता और रचनात्मक स्वतंत्रता के प्रति संदेह कलाकार की संभावनाओं को सीमित कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों ने सृजन के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन सतही लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा ने गंभीर कलात्मक अभिव्यक्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। कलाकार का सम्मान केवल पुरस्कार देकर या उसकी रचना की प्रशंसा करके पूरा नहीं होता; उसे स्वतंत्र अभिव्यक्ति, गरिमापूर्ण आजीविका, उचित पारिश्रमिक और सुरक्षित रचनात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। साथ ही कलाकारों का दायित्व है कि वे अपनी स्वतंत्रता का उपयोग समाज में घृणा फैलाने के बजाय विवेक, संवेदना और संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए करें। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस हमें इस दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का अवसर देता है। विशेष रूप से नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सृजनशीलता का सर्वोच्च उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज को अधिक न्यायपूर्ण, सुंदर और मानवीय बनाने में है। वास्तव में कला मनुष्य को यह विश्वास दिलाती है कि विनाश के अंधकार के बीच भी सृजन का दीप जलाया जा सकता है।

आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पत्थर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुत: मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने, चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

देश दुनीया से

फसल संरक्षण व सेहत सुरक्षा हो प्राथमिकता

अलनीनो भयावह खतरे का सबब बनता जा रहा है। दुनिया के मौसम विज्ञानियों ने अलनीनो के खतरनाक स्तर को 'सुपर-डुपर अलनीनो' नाम दिया है। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, सामान्य वर्षों की तुलना में सुपर-डुपर अलनीनो के कारण अगले छह महीनों में दुनिया भर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। अलनीनो पहले से गर्म होती जलवायु पर अपना असर दिखा रहा है, जिससे आने वाले महीनों में तापमान के रिकॉर्ड टूटने की संभावना बढ़ रही है। इस बार फरवरी में ही गर्मी दस्तक दे सकती है। सुपर अलनीनो के प्रभाव से आने वाले महीनों में वैश्विक स्तर पर सतह का तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। अनुमान है कि अगले 20 वर्षों तक तापमान का यही रुझान देखने को मिल सकता है। विश्व मौसम संगठन की हालिया चेतावनी के मुताबिक, अलनीनो फरवरी 2027 तक बना रह सकता है। ऐसी स्थिति में इसका असर भारत में अगले मानसून की शुरुआत तक रहने की संभावना है। चिंता की बात यह है कि यह सर्दियों की बारिश और तापमान को भी प्रभावित कर सकता है। यही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में तापमान और बारिश के पैटर्न पर भी इसका असर पड़ सकता है। नतीजतन, कहीं सूखे की स्थिति बन सकती है, तो कहीं सामान्य से अधिक बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। दरअसल, विश्व मौसम संगठन के पूर्वानुमान के मुताबिक, नवंबर महीने में तापमान के चरम पर पहुंचने की संभावना जताई गई थी। लेकिन अब प्रशांत महासागर में भूमध्य रेखा के पास समुद्र का तापमान सामान्य से तीन गुना अधिक है और इसमें तेजी से बढ़ोतरी की आशंका है। समुद्र की गहराई में भी कई हिस्सों में पानी सामान्य से आठ डिग्री तक अधिक गर्म पाया गया है, जिससे अलनीनो को और ताकत मिली है। वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनिया के सभी भूभागों में इस साल नवंबर तक सामान्य से अधिक तापमान रहेगा। प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने पर भारत की ओर आने वाली हवाओं के दबाव और उनकी दिशा में बदलाव आता है। इससे बादलों की आवाजाही और बारिश का रास्ता भी बदल सकता है। यही अहम कारण है कि प्रशांत महासागर में होने वाला बदलाव भारत जैसे हजारों किलोमीटर दूर स्थित देशों के मौसम को भी प्रभावित करता है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अलनीनो का असर केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। इसके मजबूत बने रहने पर सर्दियों में भी तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। उत्तर भारत में सर्दियों के छोटा होने और फरवरी-मार्च में गर्मी बढ़ने का रुझान पहले से ही देखा जा रहा है। यही नहीं, पश्चिमी विक्षोभ, हिमालय में बर्फबारी और हिंद महासागर की स्थिति की भूमिका भी इसमें काफी महत्त्वपूर्ण होगी। वर्ष 2023-24 के मजबूत अलनीनो ने 2024 को दुनिया का सबसे गर्म साल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। ठीक उसी तरह, इस साल भी तापमान का नया रिकॉर्ड बनने का खतरा बना हुआ है। संभावना है कि दिसंबर महीने में तापमान उच्च स्तर पर पहुंच जाएगा। इससे पहले अलनीनो की स्थिति और तीव्र होगी, जो चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है। गौरतलब है कि यह अब तक की सर्वाधिक तापमान वृद्धि होगी। इससे स्पष्ट है कि अलनीनो का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इससे पहले 2015 में अधिकतम 2.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। मौसम विज्ञानी रयान माउ का कहना है कि अलनीनो सर्दियों में अपनी अधिकतम शक्ति पर बना रहेगा और अमेरिका को छोड़कर हर जगह वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी होगी। प्रभावित क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जो इतिहास में दर्ज किसी भी पिछले अलनीनो से अधिक है। यह 1950 के बाद से दर्ज की गई सबसे शक्तिशाली मौसमी घटनाओं में से एक हो सकती है। दरअसल, अलनीनो की स्थिति में मानसून कमजोर और अनियमित रहता है। साथ ही, अधिक गर्मी पड़ने से मिट्टी में नमी कम हो जाती है, जिससे खरीफ की फसलों की पैदावार घटने की आशंका रहती है। खरीफ का सीजन सीधे तौर पर देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। धान, मक्का, दालें और तिलहन जैसी प्रमुख फसलें इसी मौसम में बोई जाती हैं। ऐसे में अलनीनो का खतरा केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। इस स्थिति में सबसे बड़ी चिंता उन क्षेत्रों को लेकर है, जहां खेती अब भी बारिश पर निर्भर है। भारत अलनीनो के कारण सर्वाधिक जोखिम वाले देशों में शामिल है। क्लाइमेट ट्रेंड्स के मुताबिक, उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अलनीनो और जलवायु परिवर्तन का संयुक्त प्रभाव खेती से जुड़े जोखिम बढ़ा रहा है। वर्ष 2050 तक इन दोनों के मिले-जुले प्रभाव से वैश्विक फसल पैदावार आधार स्थिति की तुलना में 10 से 25 प्रतिशत तक घट सकती है। इस संबंध में एम्स के एक संकाय सदस्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि हर परिस्थिति और हर स्तर पर हीट एक्शन प्लान लागू करने जैसी रणनीतियों पर तत्काल काम करने की जरूरत है। उनके अनुसार, बुजुर्गों, पहले से बीमार लोगों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और खुले में काम करने वाले श्रमिकों जैसे कमजोर वर्गों को प्राथमिकता देना जरूरी है। चूंकि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए ऐसे हालात से निपटने के लिए मौसमी पूर्वानुमानों के आधार पर बुआई से पहले फसलों में बदलाव किए जाने चाहिए।

आप का नजरीया

अरुणाचल पर चीन की कुदृष्टि

ब्रिक्स समेत कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर लगातार मैत्री की बात करने वाले चीन द्वारा एलएसी पर तनाव पैदा करने की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। अरुणाचल बॉर्डर पर भारत व चीन के आमने-सामने होने की खबरों के सामने आने के बाद इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। दरअसल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ समय से अरुणाचल प्रदेश में आईटीबीपी के जवान व पीएलए के सैनिक आमने-सामने आए हैं। यह स्थिति बदली नहीं है। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस व विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस वर्ष जुलाई में उत्तर-पूर्वी सीमा पर तनाव शुरू होने के उपरांत पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि हुई है। बताते हैं कि अरुणाचल प्रदेश में सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में यह तनाव बना हुआ है। वहीं सीमा पर तनाव के खुलासे और विपक्षी हमलों के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा कहा गया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिये दोनों देश लगातार प्रयासरत हैं। दोनों पक्ष महसूस करते हैं कि भारत-चीन के बेहतर रिश्ते सीमा की शांति पर ही निर्भर करते हैं। बहरहाल, अरुणाचल को भारतीय संप्रभु हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के बावजूद उसे दक्षिण तिब्बत कहना चीन के नापाक इरादों को ही दर्शाता है। वहीं आईटीबीपी के हालिया खुलासे में इस बात का भी जिक्र हुआ कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जबकि इस दौरान ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिये चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत भी आ चुके हैं। यही वजह है कि कांग्रेस आरोप लगा रही है कि जुलाई से सीमा पर तनाव होने की खबरों को देश से छिपाया गया है। निस्संदेह, भारत व चीन के बीच साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़े विवादों को लेकर देश चिंतित रहा है। भारतीयों के दिलों में 1962 के चीनी हमले के जख्म अभी भरे नहीं हैं। 'मुंह में राम और बगल में छुरी' की चीन की नीति पर भरोसा करना संभव भी नहीं है। हाल के वर्षों में गलवान का छल देशवासियों को याद है, जब हमने अपने बीस वीर जवानों को खोया था। वहीं भारत तिब्बत सीमा पुलिस के डीजी शत्रुजीत कपूर ने वार्षिक हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान कहा था कि अरुणाचल सीमा पर तनाव के दौरान आईटीबीपी के कमांडो मुस्तैद रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी नई गठित शौर्य कमांडो टीमों ने इस दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजस्थान के अलवर स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में कपूर ने चीन की उन्नत सैन्य तकनीकों के मुकाबले के लिये आधुनिक हथियारों की जरूरत भी बतायी। उन्होंने स्वीकार किया कि पारंपरिक हथियारों व तरीकों से चीन का मुकाबला करना मुश्किल होगा। चीन ने बुनियादी ढांचे और हथियारों के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। आईटीबीपी के डीजी ने आधुनिक युद्धों के तौर-तरीकों में आ रहे बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि आज ड्रोन जैसी तकनीक से छोटे देश भी बड़े देशों का मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने ईरान द्वारा अमेरिका का मुकाबला करने तथा यूक्रेन द्वारा रूस को पहुंचाये जा रहे बड़े नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी के आधुनिकीकरण के लिये चार हजार करोड़ का बजट बनाया गया है। जिसमें से एक हजार करोड़ रुपये ड्रोन शक्ति बढ़ाने पर खर्च किए जाएंगे। जिसमें एंटी ड्रोन सिस्टम मजबूत करना भी शामिल हैं। जिसके लिए ड्रोन प्लाटून बनायी गई हैं। वहीं ड्रोन पायलटों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही अपने ड्रोन खुद बनाने पर काम चल रहा है। इसके अलावा भूमिगत शेल्टर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

अरुणाचल बॉर्डर पर भारत व चीन के आमने-सामने होने की खबरों के सामने आने के बाद इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। दरअसल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ समय से अरुणाचल प्रदेश में आईटीबीपी के जवान व पीएलए के सैनिक आमने-सामने आए हैं। यह स्थिति बदली नहीं है। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस व विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस वर्ष जुलाई में उत्तर-पूर्वी सीमा पर तनाव शुरू होने के उपरांत पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि हुई है। बताते हैं कि अरुणाचल प्रदेश में सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में यह तनाव बना हुआ है। वहीं सीमा पर तनाव के खुलासे और विपक्षी हमलों के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा कहा गया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिये दोनों देश लगातार प्रयासरत हैं। दोनों पक्ष महसूस करते हैं कि भारत-चीन के बेहतर रिश्ते सीमा की शांति पर ही निर्भर करते हैं। बहरहाल, अरुणाचल को भारतीय संप्रभु हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के बावजूद उसे दक्षिण तिब्बत कहना चीन के नापाक इरादों को ही दर्शाता है। वहीं आईटीबीपी के हालिया खुलासे में इस बात का भी जिक्र हुआ कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

दृष्टि कोण

जिम्मेदारी के कानून से रुकेंगे भगदड़ के हादसे

देश में हादसों की पुनरावृत्ति से यही लगता है कि देश के नेताओं और अफसरों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। नेताओं की निगाहें वोट बैंक और अफसरों की सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने में लगी रहती हैं। यही वजह है कि हादसे दर हादसे होते रहते हैं और देश की नौकरशाही पर इसका कोई प्रभाव नजर नहीं आता। इसका कारण है कि अभी तक देश में ऐसे हादसों की जिम्मेदारी का कोई कानून नहीं बना है। उत्तर कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गापूजा पंडाल में 17 अक्टूबर की शाम तेज बारिश के बीच पंडाल के गिरने की एक चेतावनी के बाद मची भगदड़ में 19 लोगों की जान चली गई, जबकि 25 लोग घायल हो गए। अब इस हादसे के बाद जांच के नाम पर लीपापोती की जा रही है। इसकी न्यायिक जांच की घोषणा की गई है। दरअसल इस देश में नौकरशाह सबसे सुरक्षित हैं। देश में आज तक जितने भी बड़े हादसे हुए हैं, इनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदारी से हुए हैं। लेकिन व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं आया। भारत में धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, मेलों और रेलवे स्टेशनों पर समय-समय पर कई बड़ी भगदड़ की घटनाएं आजादी के बाद से होने लग गई थी। आजादी के बाद पहली बार कुंभ मेले में 3 फरवरी 1954 को, इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में स्नान करने के दौरान भगदड़ मचने से 800 लोग नदी में डूबकर मर गए थे। इसी तरह 1986 में हरिद्वार में कुंभ मेले में 200 लोगों की जान चली गई। यह अराजकता तब फैली जब तत्कालीन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और सांसदों के साथ हरिद्वार पहुंचे। जब सुरक्षाकर्मियों ने आम लोगों को नदी के किनारे जाने से रोक दिया, तो बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई। साल 2003 में महाराष्ट्र के नासिक कुंभ मेले में भगदड़ मचने से 39 लोग मारे गए थे। फरवरी 2013 में कुंभ मेले के दौरान इलाहाबाद रेलवे स्टेशन पर एक फुटब्रिज के ढह जाने की त्रासदी में 42 लोगों की जान चली गई थी। इन हादसों से नेताओं और अफसरों ने कोई सबक नहीं सीखा। फलस्वरूप हादसों की पुनरावृत्ति देश में होती रही। प्रयागराज में हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 90 लोग घायल हो गए। इंदौर में एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब ढह जाने से 36 लोगों की मौत हो गई थी। इसी तरह जनवरी 2022 में जम्मू-कश्मीर स्थित प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई थी। साल 2015 में आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी के स्नान स्थल पर भगदड़ से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। साल 2014 में पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मचने से 32 लोगों की मौत हो गई। 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई। हादसों की इस श्रृंखला में 19 नवंबर 2012 पटना में छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के तट पर हरकी पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। इसी तरह 14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में एक जीप के सबरीमाला मंदिर के दर्शन कर लौट रहे तीर्थयात्रियों से टकरा जाने के कारण मची भगदड़ में कम से कम 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 40 से अधिक घायल हो गए। हादसे लगातार पूरे देश में होते रहे हैं, राज्यों की सरकारों ने दूसरे प्रदेशों में हुए हादसों से कुछ नहीं सीखा। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ मचने से लगभग 63 लोगों की मौत हो गई। लोग स्वयंभू धर्मगुरु द्वारा दान किए जा रहे कपड़े और भोजन लेने पहुंचे थे।

राजस्थान में पंचायत चुनाव : कई जगह हंगामा और लाठीचार्ज

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में गांवों की सरकार चुनने के लिए शनिवार को पहले चरण का मतदान जारी रहा। प्रदेश के 16 जिलों की 3314 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। इस दौरान कई जगह मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला, वहीं कुछ मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान के आरोप, झड़प और हंगामे की घटनाएं भी सामने आईं। बीकानेर और पाली में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। मतदान शाम 6 बजे तक चला, इसके बाद मतगणना शुरू हुई और अब देर रात तक परिणाम आने की संभावना है। बीकानेर की रिडमलसर पुरोहितान ग्राम पंचायत में मतदान के अंतिम समय देवीकुंड सागर मतदान केंद्र के पास बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। भीड़ के मतदान केंद्र की ओर बढ़ने पर स्थिति संभालने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। इसी तरह पाली जिले के रानी पंचायत क्षेत्र के कीरवा गांव में फर्जी मतदान के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने हंगामा किया। पुलिस ने विरोध कर रहे लोगों को हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

हालांकि, फर्जी मतदान के आरोपों की पुष्टि नहीं हुई। जयपुर जिले के मौजमाबाद क्षेत्र के नागौरी मोहल्ले में वार्ड पंच की सीट को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ने पर लाठी-डंडे चलने की जानकारी सामने आई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी। वहीं भीलवाड़ा जिले की उलेला पंचायत में मतदाताओं ने रिटर्निंग अधिकारी पर धमकाने और कथित फर्जी मतदान के आरोप लगाए। पीपलुंद सहित कुछ अन्य स्थानों पर भी मतदान प्रक्रिया को लेकर नाराजगी और हंगामे की सूचनाएं सामने आईं। पाली जिले के डुठारिया गांव में परिसीमन को लेकर नाराज ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीणों का कहना था कि परिसीमन के बाद उनके गांव को ईटन्दरा मेडतियान से जोड़ दिया गया है और वहां पहुंचने में रास्ते की परेशानी होती है। ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने पहले भी प्रशासन को ज्ञापन देकर समस्या के समाधान की मांग की थी, लेकिन समाधान नहीं हुआ। पाली जिले के सोजत क्षेत्र की देवासियों की ढाणी और हरिपुर में भी पंचायत समिति वार्ड बदलने के विरोध में मतदान बहिष्कार की जानकारी सामने आई। उदयपुर जिले की भिंडर पंचायत समिति की चारगदिया ग्राम पंचायत में सरपंच प्रत्याशी शक्तिसिंह ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात चुनाव प्रचार के दौरान कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की। उनके अनुसार, फौजी बड़ली कच्ची बस्ती के पास हुई घटना में उन्हें चोटें आईं और आठ टांके लगे। प्रत्याशी ने नामजद शिकायत देने की बात कही, जबकि भिंडर थानाधिकारी ने रिपोर्ट मिलने से इनकार किया। हंगामे और विवादों के बीच मतदान केंद्रों पर लोकतंत्र के प्रति उत्साह की तस्वीरें भी दिखी। नागौर जिले की दुगोली ग्राम पंचायत में दूल्हा मोहम्मद इलियास सेहरा बांधकर मतदान करने पहुंचा। वोट डालने के बाद उसकी बारात रवाना हुई। राजसमंद जिले की कोयल ग्राम पंचायत में 102 वर्षीय महिला व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचीं। जयपुर जिले में 95 वर्षीय बुजुर्ग ने भी मतदान किया। कोटा जिले के टांकरवाड़ा में पैर में फ्रैक्चर होने के बावजूद 40 वर्षीय गिरिराज को परिजन चारपाई पर मतदान केंद्र लेकर पहुंचे। नागौर की पालड़ी जोधा ग्राम पंचायत में 99 वर्षीय तेजाराम ईनाणिया के परिवार की चार पीढ़ियों ने एक साथ मतदान किया। डूंगरपुर में जुड़वां बहनों सृष्टि और श्रुति कलाल ने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अलवर के रामगढ़ क्षेत्र में दोनों हाथ नहीं होने के बावजूद प्रहलाद अपने भतीजे की मदद से मतदान केंद्र पहुंचे और वोट डाला। इस बार पंच-सरपंच चुनाव में ईवीएम के बजाय मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया। मतदाताओं ने सरपंच और वार्ड पंच के लिए अलग-अलग मतपत्रों पर वोट डाले। मतगणना में पहले वार्ड पंच और उसके बाद सरपंच पद के मतों की गिनती की जाएगी। पहले चरण में 3314 सरपंच और 28,682 वार्ड पंच चुने जाने हैं। मतपत्रों से मतदान होने के कारण मतगणना में अधिक समय लगने की संभावना जताई गई है।

बुड्ढा नाला की सफाई नहीं होने पर सांसद संत सीचेवाल ने अपनी ही सरकार की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

लुधियाना (हिंस)। पंजाब के लुधियाना में बुड्ढा नाला की सफाई और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने अपनी ही पार्टी की सरकार और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से प्रयास किए जाने और करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद बुड्ढा नाला को प्रदूषण मुक्त नहीं किया जा सका है। बुड्ढा दरिया पुनर्जीवन परियोजना की 46वीं बैठक के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। बैठक में नाले में लगातार गिर रहे सीवरेज और औद्योगिक कचरे को लेकर संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाए गए। जानकारी के अनुसार, बुड्ढा नाला को प्रदूषण मुक्त बनाने और इसके पुनर्जीवन के लिए अब तक करीब 800 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद नाले में प्रदूषित पानी का प्रवाह जारी है। सांसद सीचेवाल ने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी राशि खर्च होने, बार-बार बैठकें करने और अधिकारियों को निर्देश देने के बावजूद अपेक्षित परिणाम क्यों नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने प्रदूषण रोकने के लिए जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने विभिन्न सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों और एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांटों का निरीक्षण

भी किया। इस दौरान कई प्लांटों के संचालन में कमियां सामने आने की जानकारी मिली। इन खामियों के कारण प्लांटों की नियमित निगरानी और सीवरेज तथा औद्योगिक अपशिष्ट के उचित उपचार को लेकर सवाल उठ रहे हैं। सीचेवाल ने कहा कि संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि नाले में छोड़े जाने वाले पानी का निर्धारित मानकों के अनुसार उपचार सुनिश्चित किया जाए। बुड्ढा नाला में प्रदूषण की समस्या केवल सीवरेज और औद्योगिक इकाइयों तक सीमित नहीं है।

मारवाड़ महोत्सव में दिखा लोक संस्कृति और परंपराओं का संगम

जोधपुर (हिंस)। पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय मारवाड़ महोत्सव 2026 का आगाज आज सुबह सूर्य आराधना के साथ हुआ। इस दौरान हेरिटेज वॉक शोभायात्रा, बीएसएफ का कैमल टेटू शौ और सैन्य शस्त्र प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। दोपहर में विभिन्न प्रतियोगिता सहित कई प्रोग्राम हुए। फेस्टिवल को राजस्थान की अलग-अलग संस्कृति की थीम पर आधारित किया गया है। यह दो दिवसीय उत्सव परंपरा, संस्कृति और लोक जीवन की झलक प्रस्तुत करेगा। राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा मारवाड़ की समृद्ध लोक संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और जीवंत लोक कलाओं को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आज से दो दिवसीय मारवाड़ महोत्सव शुरू हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन आज मेहरानगढ़ दुर्ग पर सूर्य आराधना के साथ कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। सुबह दुर्ग से क्लॉक टावर तक हेरिटेज वॉक आयोजित की गई। इसके पश्चात क्लॉक टावर से राजकीय उम्मेद स्टेडियम तक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें मारवाड़ की सांस्कृतिक विरासत एवं पारंपरिक रंगों की झलक देखने को मिली। राजकीय उम्मेद स्टेडियम में बीएसएफ केमल्स टैटू शो एवं हथियार प्रदर्शनी के साथ पतंग प्रदर्शन एवं पतंगबाजी, सैंड आर्ट और लाइव पेंटिंग जैसी गतिविधियां आयोजित की गई।

हरियाणा के दस हजार अतिथि अध्यापक कुरुक्षेत्र में करेंगे न्याय रैली

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रदेश भर के राजकीय विद्यालयों में 21 वर्षों से सेवाएं दे रहे दस हजार 757 अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण पर आर-पार की लड़ाई की रणनीति तैयार की है। अतिथि अध्यापक संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने प्रदेश सरकार से वर्ष 2014 में बनाई गई तीन वर्षीय नीति के तहत नियमितीकरण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की है। इसी मांग को लेकर 25 अक्तूबर रविवार को कुरुक्षेत्र में न्याय रैली आयोजित की जाएगी। शनिवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण धारशूल ने कहा कि अतिथि अध्यापक पिछले 21 वर्षों से सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को शिक्षित कर रहे हैं। सरकार को अतिथि अध्यापकों की वर्षों की सेवाओं और योगदान का सम्मान करते हुए नियमितीकरण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि अनावश्यक देरी किए बिना स्पष्ट निर्णय लिया जाए, ताकि 10,757 शिक्षकों को भविष्य की अनिश्चितता से राहत मिल सके। मोर्चा के पदाधिकारियों के अनुसार, अतिथि अध्यापकों से संबंधित मामलों में विभागीय स्तर पर व्यक्तिगत सुनवाई की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन नियमितीकरण पर अंतिम निर्णय का इंतजार है। संगठन ने सरकार से लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा कर शिक्षकों को उनकी सेवा स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी देने की मांग की है। इस अवसर पर महिला विंग अध्यक्ष मैना यादव, महासचिव रघु वत्स, संयोजक सुभाष रविश, वरिष्ठ उपप्रधान पवन जाखड़, कोषाध्यक्ष गुरुदत्त शास्त्री, सह-कोषाध्यक्ष हरदीप गिल, सचिव विकास रविश और सोशल मीडिया प्रभारी सतीश यादव मौजूद रहे। मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप झरौली ने बताया कि नियमितीकरण की मांग को लेकर 21 अक्तूबर को सिरसा से न्याय यात्रा शुरू की गई थी। यह यात्रा 25 अक्तूबर को कुरुक्षेत्र पहुंचेगी, जहां प्रदेशभर के अतिथि अध्यापक न्याय रैली में शामिल होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र की रैली के बाद अतिथि अध्यापक न्याय रथ के साथ पैदल मार्च करते हुए चंडीगढ़ पहुंचेंगे और राज्यपाल के समक्ष अपनी मांग रखेंगे। इस अभियान का उद्देश्य अतिथि अध्यापकों की समस्याओं और नियमितीकरण की मांग को सरकार तक पहुंचाना है। मोर्चा ने स्पष्ट किया कि मांगों का समाधान होने तक लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार आराधना मिश्रा प्रतापगढ़ पहुंची, गृह विधानसभा रामपुर खास में कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

प्रतापगढ़ (हिंस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद आराधना मिश्रा मोना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अपने पिता राज्यसभा सांसद उप नेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी के साथ शनिवार को पहली बार अपने गृह जिले प्रतापगढ़ पहुंची। उनके अपनी विधानसभा सीट रामपुरखास पहुंचते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में स्वागत किया। कांग्रेस पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद प्रतापगढ़ आगमन को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं में भारी उत्साह रहा। आराधना मिश्रा *मोना* राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के साथ रायबरेली-प्रतापगढ़ बॉर्डर स्थित अगई मोड़ पहुंचीं, जहां बॉर्डर से लेकर लालगंज तक उनके स्वागत के लिए कई जगह तोरण द्वार और बैनर लगाए गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ जगह - जगह स्वागत किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। गठबंधन उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों पर अपने उम्मीदवार लड़ाएगा। पार्टी कोई भी हो लेकिन उम्मीदवार गठबंधन का होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में झूठे वादों से लोग नाराज हैं। अब भारतीय जनता पार्टी से सारा हिसाब किताब जनता चुनाव में करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने आगे कहा कि मैं और मेरे पिता रामपुर खास के लिए सदैव सरकार से लड़ते झगड़ते रहे हैं और विकास की योजनाओं को रामपुर खास की धरती पर क्रियान्वित किया करते रहे हैं। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है, उसका भली प्रकार निर्वहन करने का प्रयास करूंगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से इंडिया गठबंधन 350 से अधिक विधानसभा सीट जीतने जा रहा है। राहुल गांधी आज पूरे देश में जन-जन के नेता हैं।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर ट्रेलर में घुसी श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवलर, 3 की मौत; 18 घायल

जयपुर (हिंस)। सांवलिया सेठ के दर्शन की आस लेकर निकले श्रद्धालुओं का सफर शुक्रवार देर रात हादसे में बदल गया। जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बगरू पुलिया से उतरते समय श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैवलर आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैवलर में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 18 यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को उपचार के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक घायल की हालत गंभीर बताई गई है। बगरू थाने के एसएचओ चंद्रभान ने बताया कि हादसा शुक्रवार देर रात करीब 1-50 बजे हुआ। ट्रैवलर में महाराष्ट्र के नासिक के 28 श्रद्धालु सवार थे। सभी जयपुर से चित्तौड़गढ़ स्थित सांवलिया सेठ मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान बगरू पुलिया से नीचे उतरते समय ट्रैवलर अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर के कारण वाहन में आगे बैठे यात्रियों को गंभीर चोटें आईं। हादसे में घायल यात्री प्रवीण के अनुसार, श्रद्धालु रात करीब 10-30 बजे जयपुर से रवाना हुए थे।

आमेर किले में साकार हुआ राजस्थानी विरासत और आधुनिक फैशन का संगम

जयपुर (हिंस)। ऐतिहासिक आमेर किले के शाही आंगन में राजस्थानी संस्कृति, पारंपरिक शिल्पकला और समकालीन फैशन का अनूठा संगम देखने को मिला। पर्यटन और पुरातत्तव विभाग के सहयोग से आयोजित अरबेनिया ज्वेल्स प्रेजेंट्स *हैरिटेज डोर सीजन-3* में 150 से अधिक महिला और पुरुष मॉडल्स ने छह सीक्वेंस में पारंपरिक एवं आधुनिक परिधानों के साथ शाही आभूषणों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी रहीं। पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता सहित फैशन, कला और संस्कृति जगत से जुड़े लोग भी मौजूद रहे। आयोजक शिवाली गुप्ता, सोनाली खंडेलवाल और प्रिया दीवान ने बताया कि शो डायरेक्टर अभिमन्यु सिंह तोमर के निर्देशन में आयोजित फैशन शो में आमेर महल के गणेश पोल, सूरजपोल, चांदपोल, शीशमहल, जनाना महल, केसर क्यारी, सुख

निवास और चार बाग जैसे ऐतिहासिक स्थलों से प्रेरित परिधान एवं आभूषण प्रस्तुत किए गए। आयोजन में पारंपरिक भारतीय कारीगरी को आधुनिक डिजाइनों के साथ पेश किया गया। *गणेश पोल* सीक्वेंस में प्रताप संस के डिजाइनर कुल प्रकाश तनेजा और प्रेमप्रकाश तनेजा के पारंपरिक साड़ी, इंडो-वेस्टर्न लहंगा और स्मार्ट कैजुअल परिधानों के साथ माधुरी धूत की ब्राइडल ज्वैलरी प्रदर्शित की गई। *सूरजपोल* और *चांदपोल* सीक्वेंस में अरबेनिया ज्वेल्स के गौरव जौहरी की डिजाइन की कुंदन, मीनाकारी और टेंपल ज्वैलरी को जोधपुर की दस्तकारी और प्रताप संस की कांजीवरम साड़ियों के साथ प्रस्तुत किया गया। *शीशमहल* सीक्वेंस में फैशन डिजाइनर दिग्विजय सिंह राठौड़ के पुरुष परिधान संग्रह के साथ रायु बाय टाटीवालाज गहना की डिजाइनर श्वेता और सपना टाटीवाला की रत्न जड़ित ज्वैलरी प्रदर्शित हुई। वहीं, *जनाना महल* सीक्वेंस में अंतर्राष्ट्रीय फैशन डिजाइनर गजल मिश्रा का *पहरन* संग्रह आकर्षण का केंद्र रहा। उनके परिधानों में सोने, चांदी और पीतल के धागों के साथ जरदोजी, आरी-तारी और पारंपरिक कढ़ाई का काम देखने को मिला। इस सीक्वेंस में केके ज्वेल्स के मनीष और संदीप खूंटेटा की हीरे, सोने और पोलकी ज्वैलरी भी प्रदर्शित की गई। *केसर क्यारी* सीक्वेंस में अनायसा की डिजाइनर आतिशा कपूर और दामिनी गुप्ता ने आधुनिक महिला की पसंद और शाही परंपराओं को ध्यान में रखकर परिधान प्रस्तुत किए। इनके साथ गौरी ज्वेलर्स की गौरी माहेश्वरी के समकालीन आभूषणों ने आकर्षण बढ़ाया। जयपुर परफ्यूम्स की निदेशक मुस्कान वाधवानी ने केसर और अन्य फूलों से बने इत्र की खुशबू से माहौल को खास बनाया। *सुख निवास* सीक्वेंस में कोजागिरी बाय धागा की फैशन डिजाइनर वैशाली गुप्ता और अर्चना डंगायच ने फलप्पा और गोटा-पत्ती की पारंपरिक कारीगरी से सजे परिधान प्रस्तुत किए। इनके साथ मान्यश्री ज्वेल्स के श्याम शत्रुघ्न सिन्हा के दुल्हन के आभूषणों का संयोजन देखने को मिला। फैशन शो के अंतिम सीक्वेंस *चार बाग* में मुगल और राजपूती स्थापत्य कला से प्रेरित शाही अंदाज प्रस्तुत किया गया। फैशन डिजाइनर ऋषि और विभूति ने रचनात्मक आधुनिक डिजाइनों वाले परिधान प्रदर्शित किए। इनके साथ कॉन्शियस कैरेट के विपुल अग्रवाल और अग्रवाल एंड कंपनी बाय नारायण ज्वेलर्स की पोलकी, प्रयोगशाला में निर्मित हीरों और समकालीन आभूषणों के संग्रह ने प्रस्तुति को खास बनाया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा (हिंस)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में नोएडा के थाना दादरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य से बयान देने का आरोप लगाते हुए शनिवार को मुकदमा दर्ज करवाया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि भाजपा नेता वेद नागर ने शनिवार सुबह को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह गुर्जर समाज से आते हैं। उनके समाज के लोग भगवान शिव की उपासना करने वाले, भगवान विष्णु और भगवान श्री राम की परंपरा में आस्था रखने वाले सनातनी माने जाते हैं। उनके अनुसार हमारे पूर्वजों ने सनातन धर्म, राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिए अनगिनत बलिदान दिया है। चक्रवर्ती सम्राट मिहिर भोज, वीरांगना राम प्यारी गुर्जर, राजमाता गुजरी तथा रामावतार भाटी जैसे ऐतिहासिक व्यक्ति गुर्जर समाज के गौरवशाली इतिहास के परंपरा के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा है कि गौरवशाली इतिहास वाले गुर्जर समाज में जन्म लेने वाले राजकुमार भाटी द्वारा दिल्ली के एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हिंदू देवी देवताओं, भगवान श्री राम, भगवान श्री कृष्णा तथा सनातन धर्म की मान्यताओं के निषेध से संबंधित

प्रतिज्ञाएं दोहराना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि राजकुमार भाटी ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए अपने ही धर्म, आराध्य देवी देवताओं और सनातन धर्म का सार्वजनिक रूप से अपमान किया है। यह किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सनातन समाज की आस्था और सम्मान से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा है कि हमारा गुर्जर समाज किसी एक व्यक्ति की राजनीतिक पहचान से नहीं, बल्कि अपने गौरवशाली इतिहास, सनातन, संस्कार, राष्ट्रभक्ति और पूर्वजों की बलिदानों से पहचाना जाता है।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता और भीड़तंत्र हटाओ अभियान को लेकर भाजपा की बैठक

अररिया (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से लोकतंत्र बचाओ, अराजकता और भीड़तंत्र हटाओ विषय को लेकर विपक्ष के आरोपों का तथ्यात्मक प्रत्युत्तर देने तथा जनता के बीच सच्चाई रखने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत कई तरह के जन जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ता इन कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी विजय शंकर चौधरी उर्फ खोखा बाबू उपस्थित रहे। बैठक में अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता के बीच सही तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर आधारित संवाद आवश्यक है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित विपक्षी दलों द्वारा उठाए जा रहे सवालों और आरोपों का भाजपा कार्यकर्ता तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर जवाब देंगे। साथ ही विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों और समाज के प्रबुद्ध वर्ग को लोकतंत्र के प्रति जागरूक किया जाएगा।

त्रेता युग जैसा दृश्य दिखाने को तैयार अयोध्या, दीपोत्सव पर प्रकाश और फूलों से सजेगी रामनगरी

अयोध्या (हिंस)। दीपों की रोशनी, फूलों की सजावट और जगमगाते मार्गों के बीच रामनगरी अयोध्या एक बार फिर त्रेता युग जैसी भव्यता का एहसास कराने के लिए तैयार हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दीपोत्सव-2026 को यादगार बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। अयोध्या नगर निगम की ओर से घाटों, रामपथ, प्रमुख चौराहों और मेला क्षेत्रों में रोशनी, सजावट, स्वच्छता और जनसुविधाओं के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। सात नवंबर को आयोजित होने वाले दीपोत्सव में लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दीपोत्सव के अवसर पर नगर क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर सजावटी लाइटिंग और झालरें लगाई जा रही हैं। रामपथ पर स्थित भवनों और पोलों पर स्ट्रिप लाइटिंग की जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग के नाका, देवकाली, महोबरा और बूथ नंबर चार सहित अंडरपास पर विशेष प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। मेला क्षेत्रों के संवेदनशील स्थलों और ब्लैक स्पॉट पर भी रोशनी और सजावट का काम शुरू

हो गया है। रामपथ सहित प्रमुख मार्गों पर पेड़ों को भी सजाया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गेट नंबर-11 से लता मंगेशकर चौक तक रामपथ की दोनों ओर की रेलिंग पर फूलों से सजावट की जाएगी। अयोध्या धाम के प्रमुख चौराहों और स्थानों को फूलों तथा कपड़ों से सजाने की तैयारी है, जिससे पूरी रामनगरी उत्सव के रंग में नजर आएगी। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि बस स्टेशन, धर्मशाला, रेस्तरां, होमस्टे, रेलवे स्टेशन और अधिक भीड़भाड़ वाले स्थानों पर उत्कृष्ट सफाई सुनिश्चित की जाएगी। फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रवर्तन दल सक्रिय हैं। आवारा गोवंश और छुट्टा पशुओं की रोकथाम के लिए टीमें गठित की गई हैं, जो उन्हें पकड़कर गोशाला भेजेंगी। सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अयोध्या धाम के विभिन्न क्षेत्रों में सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों के अलावा प्रमुख स्थलों पर केयरटेकर सहित 30 मोबाइल टॉयलेट लगाए जाएंगे। नगर निगम सीमा में 471 बायो शौचालय स्थापित हैं, जहां नि:शुल्क प्रसाधन सुविधा उपलब्ध है। पेयजल व्यवस्था के तहत नगर निगम सीमा में 85 वाटर कूलर लगाए गए हैं। इनमें 48 अयोध्या धाम और 37 अयोध्या कैंट में हैं। इसके अलावा कुल 25 वाटर कियोस्क हैं, जिनमें 18 धाम क्षेत्र और सात कैंट क्षेत्र में स्थित हैं। जरूरत के अनुसार विभिन्न स्थलों पर वाटर टैंकर भी लगाए जाएंगे। दीपोत्सव-2026 के दौरान सभी प्रस्तावित घाटों पर लगभग 33 लाख दीये जलाए जाने का अनुमान है। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद घाटों को स्वच्छ बनाने के लिए रात में ही सफाई शुरू कराई जाएगी। इसके लिए करीब 792 सफाई मित्रों की व्यवस्था की जाएगी, जो दीये उठाने और घाटों की सफाई का काम करेंगे। राम की पैड़ी पर बालू का छिड़काव कर घाटों को साफ रखने की व्यवस्था की जाएगी। बेहतर सफाई के लिए प्रेशर वॉशर और स्क्रबर प्रेशर वॉशर जैसे आधुनिक संसाधनों का इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि आयोजन के बाद भी घाटों की स्वच्छता बनी रहे। नगर निगम सीमा में नियमित सफाई कराई जा रही है, जिसकी वरिष्ठ अधिकारी निगरानी कर रहे हैं। अयोध्या धाम के सभी मेला क्षेत्रों में 24 घंटे सफाई की व्यवस्था रहेगी। दीपोत्सव के दौरान कूड़ा प्रबंधन के लिए 55 वाहनों के माध्यम से सफाई सुनिश्चित की जाएगी। पूरे नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए पॉलीथिन मुक्त अभियान भी चलाया जा रहा है। जन-जागरूकता के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम (पीए सिस्टम) और वेरिएबल मैसेजिंग सिस्टम (वीएमएस) के माध्यम से स्वच्छता बनाए रखने तथा पॉलीथीन का इस्तेमाल न करने के संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अयोध्या को स्वच्छ, सुंदर और श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। दीपोत्सव-2026 को ऐतिहासिक बनाने के लिए नगर निगम की टीम दिन-रात काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 33 लाख दीयों की रोशनी के साथ सफाई, पेयजल, शौचालय और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि अयोध्या आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु का अनुभव यादगार बने।

यूपीआई पेमेंट और इनकम टैक्स, कहीं आप भी न आ जाएं दायरे में

घोषित आय और जमा राशि में बड़ा अंतर हो सकती है पूछताछ

नई दिल्ली

आजकल डिजिटल लेनदेन हमारी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं, खासकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)। कई लोगों को यह चिंता सताती है कि बड़े या लगातार डिजिटल भुगतान कहीं उन्हें आयकर विभाग के नोटिस के दायरे में न ला दें। हालांकि, केवल यूपीआई लेनदेन अपने आप में नोटिस का कारण नहीं बनते। आयकर विभाग की नज़र आपकी घोषित आय और बैंक खाते में जमा कुल रकम के बीच बड़े अंतर पर होती है। आपके बैंक खाते में बड़ी रकम का जमा होना या यूपीआई के जरिए लगातार पैसे आना अपने आप में आयकर नोटिस का सीधा कारण नहीं है। आयकर विभाग मुख्य रूप से आपकी घोषित आय और आपके खाते में आने वाली कुल रकम के बीच बड़े अंतर को देखता है। यदि यह अंतर काफी ज़्यादा होता है, तो विभाग आपसे पैसों के स्रोत के बारे में जानकारी मांग सकता है।

नकदी जमा और डिजिटल लेनदेन के नियम: आयकर विभाग के स्टेटमेंट आफ फाइनेंशियल ट्रांजैक्शंस (एसएफटी) नियमों के तहत, बैंकों को एक वित्त वर्ष में बचत खाते में 10 लाख रुपये या उससे अधिक और चालू खाते में 50 लाख रुपये या उससे अधिक की नकद जमा राशि की रिपोर्ट करनी होती है। हालांकि, यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस और आईएमपीएस जैसे डिजिटल लेनदेन के लिए ये नकद जमा सीमाएं सीधे लागू नहीं होतीं। डिजिटल लेनदेन के मामले में, विभाग समग्र आय और लेनदेन पैटर्न का विश्लेषण करता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति सालाना 12 लाख रुपये की आय घोषित करता है, लेकिन उसके बैंक खाते में पूरे साल 40 लाख रुपये जमा होते हैं, तो यह विसंगति विभाग का ध्यान आकर्षित कर सकती है। इस अतिरिक्त रकम का स्रोत पूछा जा सकता है। यह रकम परिवार या दोस्तों से मिली हो सकती है, जो हमेशा कर योग्य नहीं होती, लेकिन इसके लिए आपको स्पष्ट प्रमाण देना होगा।

अस्पष्ट लेनदेन से बचें: कई बार लोग दोस्तों, रिश्तेदारों या सामूहिक खरीदारी के लिए पैसा अपने खाते में लेकर तुरंत आगे ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसा करना अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन बार-बार बड़ी रकम प्राप्त करके उसे तुरंत आगे भेजने पर लेनदेन की प्रकृति के बारे में सवाल उठ सकते हैं, खासकर यदि स्रोत अस्पष्ट हो। सिर्फ पैसे आगे भेज देने से आपकी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती।

नोटिस से बचने के लिए क्या करें: आयकर नोटिस से बचने का सबसे अच्छा तरीका पारदर्शिता और सही रिकार्ड रखना है।

रिकार्ड्स संभालें: बैंक स्टेटमेंट, भुगतान की रसीदें, इनवाइस और पैसों के स्रोत से जुड़े सभी दस्तावेज़ सुरक्षित रखें।

सही आईटीआर भरें: अपनी वास्तविक आय को आयकर रिटर्न (आईटीआर) में सही तरीके से दिखाएं।

निजी-कारोबारी लेनदेन में अंतर: अपने निजी लेनदेन और कारोबारी कमाई को अलग-अलग पहचानें। फ्रीलांसरों, ट्यूशन पढ़ाने वालों और छोटे व्यापारियों को विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख टायर निर्माता कंपनी जेके टायर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और कंटेनर ढुलाई महंगी होने के कारण कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि तीसरी तिमाही में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की योजना है। इससे पहले पहली तिमाही में कंपनी ने कीमतें 5 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7 प्रतिशत बढ़ाई थीं। कंपनी के मुताबिक, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कारोबारी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कच्चे माल की लागत लगातार ऊंची बनी हुई है, जबकि सप्लाई चेन में बाधाओं और कंटेनर फ्रेट की बढ़ी हुई दरों से भी कंपनी पर लागत का दबाव पड़ रहा है। उनके अनुसार, दूसरी तिमाही में कच्चे माल की लागत पहली तिमाही के मुकाबले करीब 9 प्रतिशत बढ़ गई है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कच्चे माल की कुल लागत में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी को तीसरी तिमाही में भी कच्चे माल की पूरी बास्केट की लागत में 4-5 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि का अनुमान है।

सरकार गहरे समुद्र में तेल-गैस खोज का जोखिम घटाएगी, योजना के संचालन संबंधी दिशानिर्देश जार

नई दिल्ली। सरकार 84,084 करोड़ रुपए की समुद्र मंथन योजना के तहत गहरे समुद्र में तेल एवं गैस की खोज के जोखिम को कम करने के लिए कंपनियों को वित्तीय सहायता देगी। इसके तहत 56 खोजी कुओं की लागत का 50 प्रतिशत तक और चार भूवैज्ञानिक अध्ययन वाले कुओं की लागत का पूरा खर्च निर्धारित सीमा के भीतर सरकार उठाएगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने योजना के संचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। इसका उद्देश्य गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज को प्रोत्साहन देना और आयातित हाइड्रोकार्बन पर भारत की निर्भरता को कम करना है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने दिशानिर्देशों की प्रस्तावना में समुद्र मंथन योजना को हाल के वर्षों में तेल एवं गैस की खोज और उत्पादन के क्षेत्र में सबसे महत्वाकांक्षी पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे भारत के तेल एवं गैस भंडार में 60 करोड़ टन से अधिक तेल समतुल्य संसाधन जुड़ सकते हैं। दिशानिर्देशों के तहत, 56 खोजी कुओं के लिए सरकार अधिकतम 675 करोड़ रुपए प्रति कुआं और भूवैज्ञानिक अध्ययन वाले चार कुओं के लिए 1,350 करोड़ रुपये प्रति कुआं तक सहायता देगी।

दुनिया पर कब्जे की रणनीति ड्रैगन पर पड़ रही भारी, निर्यात बढ़ा फिर भी कंपनियां घाटे में

बीजिंग। चीन के औद्योगिक उत्पादन और निर्यात की ताकत दुनिया भर के देशों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अमेरिका समेत कई देशों के नीति-निर्माताओं को आशंका है कि चीनी सामान की बाढ़ उनके घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकती है, रोजगार घटा सकती है और महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए उन्हें चीन पर निर्भर बना सकती है। लेकिन चीन की औद्योगिक ताकत के पीछे एक विरोधाभास भी उभर रहा है। देश की कई फैक्ट्रियां बड़े पैमाने पर उत्पादन और निर्यात करने के बावजूद मुनाफा कमाने में नाकाम हो रही हैं। लंदन स्थित शोध संस्था कैपिटल इकोनामिक्स के अनुसार, चीन की उन औद्योगिक कंपनियों का अनुपात, जो घाटे में चल रही हैं, 2018 के मुकाबले दोगुना होकर इस साल 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यानी औद्योगिक क्षेत्र की करीब हर तीन में से एक कंपनी नुकसान उठा रही है। चीन की कंपनियों के लिए समस्या यह है कि निर्यात बढ़ने के बावजूद उनका घाटा जमा होता जा रहा है। उत्पादन और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की होड़ के बीच कई कंपनियां पर्याप्त मुनाफा नही कमा पा रही हैं। स्थानीय प्रशासन रोजगार बनाए रखने और आर्थिक विकास के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के लिए घाटे में चल रहे उद्यमों को नियमित रूप से आर्थिक सहारा देता है। इससे ऐसी कंपनियां भी कारोबार जारी रख पाती हैं, जिन्हें सामान्य बाजार परिस्थितियों में बंद होना पड़ सकता था।

इन्फोसिस का मुनाफा दूसरी तिमाही में करीब 6 प्रतिशत बढ़ा, 26 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड किया घोषित

मुंबई

देश की प्रमुख आईटी कंपनी इन्फोसिस ने अपनी दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत बढ़कर 7,823 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि आय में भी जोरदार 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही, इन्फोसिस ने अपने निवेशकों के लिए 26 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड का भी ऐलान किया है, जिससे शेयरधारकों में खुशी है। जारी नतीजों के अनुसार, इन्फोसिस का कंसोलिडेटेड मुनाफा पिछले साल की समान अवधि के 7,364 करोड़ रुपए से बढ़कर 7,823 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। तिमाही आधार पर भी इसमें 0.7 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज की गई, जो अप्रैल-जून तिमाही में 7,769 करोड़ रुपए था। वहीं, कंपनी की कंसोलिडेटेड आय 49,244 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही की 44,490 करोड़ रुपए की तुलना में 10.7 प्रतिशत अधिक है। पिछली तिमाही (अप्रैल-जून) की 48,211 करोड़ रुपए की आय से भी यह 2.1 प्रतिशत ज्यादा है। परिचालन से होने वाला मुनाफा भी कंपनी के लिए सकारात्मक रहा। सितंबर तिमाही में यह 10,330 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के 9,353 करोड़ रुपए से 10.4 प्रतिशत अधिक है। जून तिमाही के 10,163 करोड़ रुपए के मुकाबले भी इसमें 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने निवेशकों के लिए 26 रुपए प्रति शेयर के डिविडेंड की घोषणा की है, जिसकी रिकार्ड डेट 3 नवंबर और भुगतान तिथि 11 नवंबर तय की गई है। कर्मचारियों की संख्या में भी इन्फोसिस ने वृद्धि दर्ज की है। 30 सितंबर तक कंपनी में 3,32,542 कर्मचारी थे, जो पिछली तिमाही (30 जून को 3,28,062) और पिछले साल की समान अवधि (30 सितंबर को 3,31,991) दोनों से अधिक हैं। नतीजों के दिन इन्फोसिस के शेयर नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) पर 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 1,153.80 रुपए पर बंद हुए। हालांकि, पिछले एक महीने में शेयर ने 13 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न दिया है, लेकिन बीते एक साल में यह -24 प्रतिशत के नकारात्मक रिटर्न के साथ निवेशकों को निराश किया है।

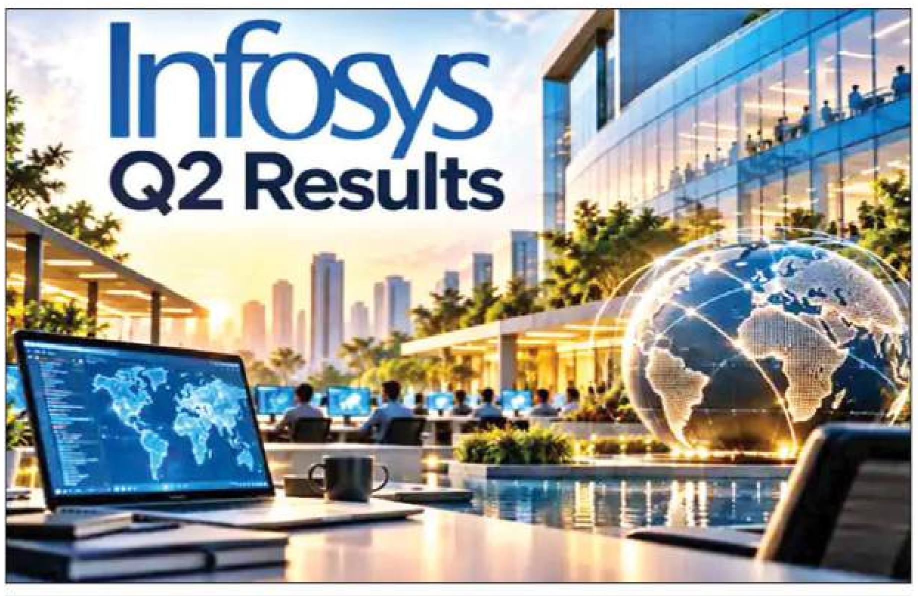

मैकडानल्ड्स आपरेटर वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड को 2.7 करोड़ का घाटा, परिचालन राजस्व 642 करोड़ रुपए से बढ़कर 747 करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली। मैकडानल्ड्स के पश्चिमी और दक्षिणी भारत के कारोबार का संचालन करने वाली वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 2.7 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में दर्ज 37 करोड़ रुपए के लाभ से एक महत्वपूर्ण बदलाव है। हालांकि, कंपनी ने इस दौरान परिचालन राजस्व में 16.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए इसे 747 करोड़ रुपए तक पहुंचाया। यह घाटा मुख्य रूप से अन्य वित्तीय एवं गैर-परिचालन खर्चों के दबाव के कारण हुआ है। कंपनी की स्टाक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, परिचालन राजस्व एक साल पहले की समान अवधि के 642 करोड़ रुपए से बढ़कर 747 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का परिचालन प्रदर्शन अपेक्षाकृत मजबूत रहा, जिसमें एबिटा सालाना आधार पर 39.2 प्रतिशत बढ़कर 94 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष यह 67.3 करोड़ रुपए था। इसी दौरान एबिटा मार्जिन 10.5 प्रतिशत से बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया। तिमाही के दौरान, वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए 11 नए रेस्तरां जोड़े, जिससे उसके कुल आउटलेट्स की संख्या 80 शहरों में 492 हो गई है। मैकडानल्ड्स ऐप के कुल डाउनलोड 5.8 करोड़ के पार पहुंच गए और मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 42 लाख हो गई। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने तिमाही नतीजों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ये कंपनी की रणनीति और निष्पादन क्षमता की मजबूती को दर्शाते हैं, जो भविष्य के बड़े अवसरों का लाभ उठाने के लिए अनुकूल स्थिति में है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अरब डालर घटकर 721 अरब डालर पर

मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 5.01 अरब डालर घटकर 721.02 अरब डालर रहा। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 8.58 अरब डालर घटकर 726.03 अरब डालर रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी।

प्रवासी भारतीयों की जमा पर विशेष रियायती अदला-बदली योजना के तहत बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आने से चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर 785.71 अरब डालर पर पहुंच गया था। इस योजना के जरिए बैंकों ने करीब 133 अरब डालर की रिकार्ड राशि जुटाई थी। हालांकि, इसके बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट की वजह विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) संसाधनों का उपयोग और आर.बी.आई. द्वारा डालर की बिक्री के जरिए रुपए का संभालना है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.76 अरब डालर घटकर 591.85 अरब डालर रही। डालर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 706 करोड़ डालर बढ़कर 105.8 अरब डालर हो गया।

वहीं विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) तीन करोड़ डालर बढ़कर 18.58 अरब डालर हो गए। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित जमा 1.1 करोड़ डालर बढ़कर 4.79 अरब डालर हो गया।

अल्ट्रावायलेट का अगले 3 साल में 25 फीसदी निर्यात का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी अल्ट्रावायलेट आटोमोटिव ने वैश्विक बाजार में अपनी धाक जमाने की महत्वाकांक्षी योजनाएं सामने रखी हैं। कंपनी अगले दो से तीन वर्षों में अपनी कुल बिक्री में निर्यात का हिस्सा 20-25 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जिसके लिए यूरोप, उत्तरी अमेरिका और लैटिन अमेरिका जैसे विकसित बाजारों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए अल्ट्रावायलेट तमिलनाडु के होसुर में 2.5 लाख बाइक की वार्षिक क्षमता वाला एक अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। कंपनी ने हाल ही में एक नए वाहन प्लेटफार्म पर आधारित अपनी अगली पीढ़ी की क्रासओवर मोटरसाइकिल लान्च की है। इसी आर्किटेक्चर पर अगले साल चार नए माडल - प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें और उच्च क्षमता वाले स्कूटर - बाजार में उतारे जाएंगे। नई लान्च हुई प्रीमियम बाइक 12 केडब्ल्यू डीसी फास्ट चार्जिंग सुविधा के साथ नए मानक स्थापित करती है, जिसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है।

शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कमजोर बैंकिंग शेयरों ने बढ़ाया दबाव

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सप्ताह के पहले दिन शुरुआती गिरावट से उबरने की कोशिश करने वाले सेंसेक्स और निफ्टी पर बाद में निजी बैंकिंग शेयरों में कमजोरी, कंपनियों के निराशाजनक नतीजों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव का दबाव हावी रहा। सप्ताह के अंत में आई रिकवरी भी बाजार को नुकसान से नहीं बचा सकी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। सप्ताह की शुरुआत में सेंसेक्स एक समय 470 अंक से अधिक टूट गया, जबकि निफ्टी भी 23,000 के स्तर से नीचे आ गया। हालांकि, भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से बाजार को कुछ सहारा मिला। इसके बावजूद निजी बैंकिंग शेयरों में कमजोरी और कंपनी आय से जुड़ी चिंताओं के कारण सेंसेक्स 876.37 अंक गिरकर 73,852.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 257.20 अंक टूटकर 22,888.95 पर आ गया। मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर बाजार बंद रहा। बुधवार को कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 650 अंक से अधिक चढ़ा, जबकि निफ्टी ने 23,000 का स्तर पार किया। रुपये में मजबूती और अल्ट्राटेक सीमेंट तथा आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में खरीदारी से सकारात्मक माहौल बना। हालांकि, यह तेजी टिक नहीं सकी। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 143.21 अंक गिरकर 73,709.69 और निफ्टी 77.60 अंक टूटकर 22,811.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिकी बान्ड यील्ड में बढ़ोतरी से बिकवाली तेज हुई।

सेंसेक्स 460.30 अंक गिरकर 73,249.39 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 123.70 अंक टूटकर 22,687.65 पर आ गया। शुक्रवार को टेक्नोलाजी शेयरों की खरीदारी से बाजार ने मजबूत शुरुआत की, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव और ब्रेंट क्रूड के 114 डालर प्रति बैरल के पार पहुंचने से दबाव बढ़ गया। अंत में सेंसेक्स 125.56 अंक गिरकर 73,123.83 और निफ्टी 87.66 अंक टूटकर लगभग 22,600 पर बंद हुआ। रुपया भी कमजोर होकर 94.93 प्रति डालर पर आ गया। बाजारों के विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक अनिश्चितता, महंगे कच्चे तेल और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने सप्ताहभर बाजार की धारणा कमजोर रखी।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर का भाव 942, जबकि कोलकाता में 968 रुपए

नई दिल्ली

घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में शनिवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार 1 अक्टूबर को बढ़ोतरी हुई थी। उस समय अलग-अलग शहरों में इसके दाम करीब 62 रुपये से 72 रुपये तक बढ़ाए गए थे। इसके बाद से कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में आखिरी बार जून 2026 में बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में शहर के हिसाब से अंतर देखने को मिलता है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर का भाव 942 रुपये है, जबकि कोलकाता में इसके लिए 968 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। इस तरह दिल्ली में घरेलू सिलेंडर कोलकाता के मुकाबले 26 रुपये सस्ता है। मुंबई में इसकी कीमत 941.50 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये है। वहीं गुरुग्राम में 950.50 रुपये, नोएडा में 939.50 रुपये और बेंगलुरु में 944.50 रुपये में घरेलू सिलेंडर मिल रहा है। देश के दूसरे शहरों में भी घरेलू एलपीजी की कीमतें अलग-अलग हैं। भुवनेश्वर में सिलेंडर का भाव 968 रुपये और चंडीगढ़ में 951.50 रुपये है। हैदराबाद में घरेलू सिलेंडर के लिए 994 रुपये देने पड़ रहे हैं। जयपुर में इसकी कीमत 945.50 रुपये और लखनऊ में 979.50 रुपये है। वहीं, पटना में घरेलू गैस सिलेंडर सबसे महंगे शहरों में शामिल है, जहां इसका भाव 1,031.50 रुपये है। ये कीमतें बताती हैं कि एलपीजी सिलेंडर की लागत शहर के अनुसार बदलती है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 1 अक्टूबर को हुई बढ़ोतरी के बाद अलग-अलग शहरों में इसके दाम इस प्रकार हैं। दिल्ली और नोएडा में 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 2,810 रुपये है। मुंबई में यह 2,764.50 रुपये और कोलकाता में 2,954 रुपये पर है। चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर का भाव 2,983 रुपये है। लखनऊ और जयपुर में इसकी कीमत 2,932.50 रुपये, जबकि पटना में 3,100.50 रुपये है। हैदराबाद में 3,065 रुपये, चंडीगढ़ में 2,833 रुपये, भुवनेश्वर में 2,988 रुपये और बेंगलुरु में 2,898 रुपये का भाव है।

क्वांट म्यूच्यूअल फंड ने पेश किया सिल्वर ईटीएफ फंड आफ फंड्स

नई दिल्ली। क्वांट म्यूच्यूअल फंड ने निवेशकों के लिए अपनी एक नई योजना क्वांट सिल्वर ईटीएफ फंड आफ फंड्स शुरू करने की घोषणा की है। यह एक खुली-समाप्त योजना है जो उन निवेशकों को लक्षित करती है जो सीधे कमोडिटी बाजार में उतरे बिना चांदी के मूल्य में होने वाली वृद्धि का लाभ उठाना चाहते हैं। यह फंड मुख्य रूप से चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) की यूनिट्स में पूंजी का निवेश करेगा, जिससे निवेशकों को चांदी में निवेश का एक सुलभ और पारदर्शी माध्यम मिलेगा। नए फंड आफर (एनएफओ) अवधि के दौरान निवेशक न्यूनतम 5,000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं, जिसके बाद 1 रुपये के गुणक में कोई भी अतिरिक्त राशि लगाई जा सकती है। इस फंड का 95 से 100 प्रतिशत हिस्सा सिल्वर ईटीएफ में लगाया जाएगा, जबकि शेष 5 प्रतिशत तक नकदी और सरकारी ऋण पत्रों में रखा जाएगा ताकि दैनिक तरलता बनी रहे। फंड का प्रदर्शन घरेलू बाजार में भौतिक चांदी की कीमतों के आधार पर मापा जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार पर बोले ट्रेविस हेड–बड़ी साझेदारियां बनाना जरूरी

गकेबरहा टेस्ट में 99 रन पर सिमटने से मिली हार, न्यूलैंड्स टेस्ट में बल्लेबाजी सुधारने पर जोर

केपटाउन

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गकेबरहा टेस्ट में हार के बाद आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने टीम की बल्लेबाजी में सामूहिक योगदान की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अलग–अलग बल्लेबाजों ने अच्छी पारियां खेली हैं, लेकिन टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में नाकाम रही है। हेड को उम्मीद है कि न्यूलैंड्स में होने वाले अगले टेस्ट में आस्ट्रेलिया इस कमजोरी को दूर करेगा।

गकेबरहा टेस्ट में मिली हार पर हेड ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया से बातचीत में बेबाक अंदाज में कहा, हमारा एक दिन बेहद खराब रहा। अगर हम 99 रन पर आउट नहीं हुए होते, तो बहुत संभव था कि टेस्ट ड्रा हो जाता। हमने क्या गलत किया, यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एक मजबूत आस्ट्रेलियाई टीम का पूरा सप्ताह खराब रहा।

बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए चार टेस्ट मैचों की सात पारियों में छह बार आस्ट्रेलिया के किसी बल्लेबाज ने 50 या उससे अधिक रन बनाए। हेड ने गकेबरहा में 121 रन की पारी खेली। इससे पहले कैमरन ग्रीन ने डार्विन में 104 और मैके में 67 रन बनाए थे। मैथ्यू रेनशा ने डरबन में 190 और 82 रन की पारियां खेलीं, जबकि स्टीव स्मिथ ने डार्विन में दूसरी पारी में 71 रन बनाए।

हालांकि, इन प्रदर्शनों के बावजूद टीम को लगातार सामूहिक सफलता नहीं मिली। गकेबरहा में आस्ट्रेलिया की एक पारी 99 रन पर सिमट गई, जिसमें स्मिथ का 28 रन सर्वोच्च स्कोर था।

हेड ने कहा, हमने इस सीरीज से पहले भी इस बारे में बात की थी। हर बार एक अलग खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन हम टीम के रूप में वैसी सामूहिक बल्लेबाजी नहीं कर पाए, जैसी हमें चाहिए।

उन्होंने कहा कि रेनशा की पिछली सप्ताह की पारी शानदार थी और ऐसे व्यक्तिगत प्रदर्शन मैच जिताने में अहम होते हैं। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि बाकी बल्लेबाजों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है।

हेड के मुताबिक, हाल के टेस्ट मैचों में शीर्ष पांच बल्लेबाजों के बीच बड़ी साझेदारियों की कमी साफ दिखाई दी है। गकेबरहा की दूसरी पारी में हेड और मार्नस लाबुशेन के बीच 92 रन की साझेदारी शीर्ष पांच बल्लेबाजों के बीच 50 या उससे अधिक रन की केवल चौथी साझेदारी थी।

इसके विपरीत, पिछली एशेज सीरीज में आस्ट्रेलिया ने जिन चार टेस्ट मैचों में जीत हासिल की थी, उनमें प्रत्येक में शीर्ष पांच बल्लेबाजों के बीच कम से कम 80 रन की साझेदारी बनी थी।

हेड ने कहा, लंबे समय से बड़ी साझेदारियां बनाना हमारी टीम की ताकत रही है। इससे मैच जीते जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों में हम ऐसा नहीं कर पाए हैं। इसकी वजह बताना मुश्किल है। हम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमणों का सामना कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि हम प्रयास नहीं कर रहे।

गकेबरहा में हेड ने 155 गेंदों पर शतक पूरा किया। यह 2019 में अपने शुरुआती दो टेस्ट शतकों के बाद उनका सबसे धीमा शतक था। उन्होंने कहा कि लगातार गेंदबाजी करने के कारण थके हुए गेंदबाजों का सामना करने से उन्हें मदद मिली।

कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस की उपलब्धता के बीच अगले टेस्ट के लिए आस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम में बदलाव की चर्चा है। रेनशा की वापसी से हेड के साथ पारी की शुरुआत करने का विकल्प बन सकता है, जबकि ग्रीन को टीम में जगह मिल सकती है।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ट क्रिकेट में एडम वोग्स के नाम है अनौखा रिकार्ड

मुम्बई। टेस्ट क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज एडम वोग्स के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड दर्ज है

जिसमें महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी उनसे पीछे हैं। ये है बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का। एडम वोग्स ने साल 2015–16 के अपने शानदार दौर में लगातार बिना आउट हुए कुल 614 रन बनाकर एक नया विश्व रिकार्ड स्थापित किया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले नाबाद 269 और फिर नाबाद 106 रनों की असारधारण पारियां खेलीं। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन टेस्ट में भी बेहतरीन फार्म दिखाते हुए नाबाद 239 रन बनाए। इस दौरान वे लगातार चार पारियों में आउट नहीं हुए। यह विश्व रिकार्ड लगभग एक दशक बीत बाद भी बना हुआ है। वोग्स के तेंदुलकर इस सूची में दूसरे स्थान पर विराजमान हैं। उन्होंने साल 2003–04 में लगातार आउट हुए बिना 497 रन बटोरे थे। यह उनकी महान तकनीक, धैर्य और अटूट मानसिक दृढ़ता का उत्कृष्ट उदाहरण था। वेस्टइंडीज के सर्वकालिक महान आलराउंडर सर गैरी सोबर्स ने 1957–58 में लगातार 490 रन बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया था, उनका यह प्रदर्शन उस युग में उनकी असाधारण बल्लेबाजी क्षमता को दर्शाता है। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2012–13 के दौरान अपनी टीम के लिए लगातार 489 रन बिना विकेट गंवाए बनाए, जो उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों का प्रतीक था। पांचवें स्थान पर श्रीलंका के कलात्मक विकेटकीपर–बल्लेबाज कुमार संगकारा का नाम आता है, जिन्होंने 2007–08 में लगातार 479 रन बनाकर अपनी क्लास और धैर्य का परिचय दिया था। इसके अलावा, भारत के राहुल द्रविड़ (473 रन) और दक्षिण अफ्रीका के सर्वकालिक महान आलराउंडर जैक कैलिस (456 रन) जैसे महान खिलाड़ियों ने भी इस विशिष्ट क्लब में अपनी जगह बनाई है, जिन्होंने अपनी मजबूत मानसिकता और क्रीज पर टिके रहने की क्षमता का प्रदर्शन किया था।

दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच की जिम्मेदार संभालेंगे अमित मिश्रा

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र के लिए पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया है। मिश्रा ने भारतीय टीम की ओर 22 टेस्ट 36 एकदिवसीय और 10 टी20 खेले हैं। इसके अलावा आईपीएल में अलग–अलग फ्रैंचाइजी की ओर से 162 मैच खेले हैं। सितंबर 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से अब वह कोच की भूमिका में उतरे हैं। अपने खेल करियर के दौरान इस क्रिकेटर ने दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल है। 174 विकेटों के साथ ही वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। इसके अलावा इस लीग में सबसे ज्यादा तीन बार हैट्रिक लेने का रिकार्ड भी उनके नाम है।

सिलिकान वैली ओपनः सेमीफाइनल में हारीं अनाहत सिंह, सिवासंगरी ने रोका सफर

सिलिकान वैली। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह का सिलिकान वैली ओपन में सफर सेमीफाइनल में

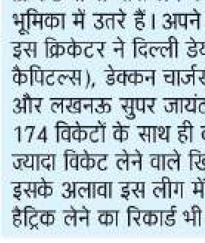

समाप्त हो गया। खेले गए मुकाबले में उन्हें मलेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त सिवासंगरी सुब्रमण्यम के हाथों 1–3 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी सिवासंगरी के खिलाफ अनाहत ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 11–5 से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ी ने वापसी की और अगले तीनों गेम 11–6, 11–4 और 11–7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। 37 मिनट तक चले इस मुकाबले में अनाहत को हार का सामना करना पड़ा। सिवासंगरी के खिलाफ पीएसए टूर में अनाहत की यह तीसरी हार है, जबकि दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक खेले गए मुकाबलों में यह उनकी चौथी हार है। हाल ही में 2026 एशियाई खेलों के महिला एकल फाइनल में भी अनाहत को सिवासंगरी के हाथों हार मिली थी, जिसके कारण उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। इससे पहले, विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज अनाहत ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने आठ बार की विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्र की नूर अल शेरबिनी को सीधे गेमों में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके बाद उन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिस्र की सलमा हानी को पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराया और पहली बार पीएसए गोल्ड स्तर के टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की उपलब्धि हासिल की।

पैरा एशियाई खेलों में भारत का ऐतिहासिक शिखर, 114 पदकों से रचा नया इतिहास

नई दिल्ली

जापान के आइची–नागोया में आयोजित पैरा एशियाई खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता के आखिरी दिन शुक्रवार को 9 स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का समापन कुल 114 पदकों के साथ किया। इसमें 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक शामिल रहे। भारत का यह इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा तीरंदाजी और पैरा निशानेबाजी में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

भारत ने 2023 में हांगझोऊ में आयोजित पिछले पैरा एशियाई खेलों के अपने पदक प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। पिछले संस्करण में भारत ने 111 पदक (29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य) पदक जीते थे। इस बार भारत ने 168 खिलाड़ियों का दल उतारा था, जो पिछले संस्करण में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल की तुलना में काफी छोटा था। पिछले संस्करण में भारत ने 303 (191 पुरुष और 112 महिला खिलाड़ी) खिलाड़ियों का दल उतारा था। इसके बावजूद खिलाड़ियों ने पदकों की संख्या और स्वर्ण पदकों के मामले में नया मानक स्थापित किया। प्रतियोगिता के दौरान भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

एथलेटिक्स में पदकों की बारिश, सुमित अंतिल ने दिलाया स्वर्ण – भारतीय एथलीटों ने एक बार फिर देश के पदक अभियान में सबसे बड़ा योगदान दिया। एथलेटिक्स में भारत ने कुल 65 पदक जीते। आखिरी दिन भाला फेंक में सुमित अंतिल ने स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय तिरंगे का गौरव बढ़ाया। पैरालंपिक और विश्व चैंपियन सुमित ने पुरुषों की संयुक्त वर्ग स्पर्धा में 72.46 मीटर भाला फेंककर अपना खिताब बरकरार रखा।

इस स्पर्धा में भारत ने तीनों पदक अपने नाम किए। महेंद्र गुर्जर ने 59.03 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत, जबकि संदीप संजय सरगर ने 64.48 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक जीता। संयुक्त वर्ग की इस स्पर्धा में खिलाड़ियों की अलग–अलग श्रेणियों के अनुसार निर्धारित अंकों के आधार पर अंतिम क्रम तय किया गया।

पुरुषों की क्लब थ्रो एफ–51 स्पर्धा में प्रणव सूरमा ने 32.87 मीटर के खेल रिकार्ड प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक

जीता। धरमबीर ने 27.71 मीटर के प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक हासिल किया। पुरुषों की 400 मीटर टी–64 दौड़ में संदीप ने 52.28 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीतने के साथ विश्व रिकार्ड बनाया। इसी स्पर्धा में अजय कुमार ने 53.61 सेकंड के खेल रिकार्ड समय के साथ कांस्य पदक जीता।

पुरुषों की भाला फेंक एफ–37/38 स्पर्धा में हनेय ने 60.49 मीटर का विश्व रिकार्ड प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुषों की भाला फेंक एफ–40/41 स्पर्धा में नवदीप ने 42.55 मीटर के प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता। राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 200 मीटर टी–37 दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया। संदीप ने पुरुषों की 100 मीटर टी–44 दौड़ में 11.67 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया।

पैरा बैडमिंटन में नितेश और थुलासिमथि का जलवा – पैरा बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण पदक जीतकर देश की पदक तालिका को मजबूती दी। पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल–3 के फाइनल में हमवतन प्रमोद भगत को 21–18, 21–16 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। नितेश ने सीधे गेम में जीत दर्ज करते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की। मिश्रित युगल एसएल–3–एसयू–5 में थुलासिमथि मुरुगेसन के साथ खेलते हुए उन्होंने रजत पदक भी जीता। पुरुष एकल एसएल–4 के फाइनल में नवीन शिवकुमार ने इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 21–9, 21–17 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला युगल एसएल–3–एसयू–5 में थुलासिमथि मुरुगेसन और मानसी जोशी की जोड़ी ने चीन की यांग क्यूशिया और शियाओ जूशियान को 21–16, 21–13 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। थुलासिमथि ने महिला एकल एसयू–5 में भी रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा नित्या श्री सुमति सिवन ने महिला एकल एसएच–6 में रजत पदक जीता। इस तरह भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने कई स्पर्धाओं में पदक जीतकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

मोना अग्रवाल ने विश्व रिकार्ड के साथ जीता स्वर्ण – पैरा निशानेबाजी में मोना अग्रवाल ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन एसएच–1 स्पर्धा में 357.5 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने विश्व रिकार्ड और पैरा एशियाई खेलों का रिकार्ड बनाया। इस स्पर्धा में पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय पैरा निशानेबाज भी बनीं।

मोना ने इससे पहले महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच–1 स्पर्धा में 250.0 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता था। इस दौरान उन्होंने खेल रिकार्ड बनाया और हमवतन अवनी लेखरा को पीछे छोड़ा। अवनी ने 249.6 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। मोना ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीतकर भारत के अभियान में अहम योगदान दिया।

तीरंदाजी में हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की जोड़ी चमकी – पैरा तीरंदाजी में पैरालंपिक चैंपियन हरविंदर सिंह और पदार्पण कर रहे विजय सुंडी ने पुरुष रिकर्व युगल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में चीन के युन डुओ और झाओ लिशुए को 5–1 से हराया। महिला रिकर्व युगल में भावना चौधरी और पूजा जाट्यान ने रजत पदक हासिल किया। भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीन की गाओ जिहान और वांग शुएचियान के खिलाफ 0–6 से हार का सामना करना पड़ा। इस रजत पदक के साथ भारत ने इस स्पर्धा में पैरा एशियाई खेलों का अपना पहला पदक भी हासिल किया।

तैराकी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दिखाया दम – भारतीय पैरा तैराकों ने प्रतियोगिता में कुल 11 पदक जीतकर उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया। हिमांशु नांदल ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस–11 स्पर्धा में 1 मिनट 5.90 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता में तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। इससे पहले वह 400 मीटर फ्रीस्टाइल और 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एस–11 स्पर्धाओं में भी तीसरे स्थान पर रहे थे।

एएफसी चैलेंज लीग से बाहर हुआ एफसी गोवा, कुवैत के कादसिया एससी ने 2-1 से हराया

हवाली (कुवैत)

भारतीय फुटबाल क्लब एफसी गोवा का एएफसी चैलेंज लीग 2026–27 में सफर समाप्त हो गया है। खेले गए ग्रुप सी के अपने तीसरे और अंतिम मुकाबले में एफसी गोवा को मेजबान कुवैत के कादसिया एससी के हाथों 1–2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय सुपर लीग की टीम ग्रुप में तीसरे स्थान पर रही और प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

मोहम्मद अल हमद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कादसिया ने 10वें मिनट में हमजा खब्बा के गोल से बढ़त बना ली। राशेद अल दोसारी के क्रास पर खब्बा ने डाइव लगाते हुए हेडर से गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचा दिया।

एफसी गोवा ने बराबरी के लिए प्रयास किए। मालसावमसांगा केसी ने बाक्स के बाईं ओर से शाट लगाया, लेकिन गेंद क्रासबार के ऊपर चली गई। इसके बाद 16वें मिनट में खब्बा के पास कादसिया की बढ़त दोगुनी करने का मौका था, लेकिन उनका हेडर गोलपोस्ट के ऊपर निकल गया।

गोवा ने 21वें मिनट में मुकाबले में वापसी की। कार्नर पर एलेक्स जालाया के हेडर के बाद गेंद चिक्की के पास पहुंची, जिन्होंने नजदीक से हेडर लगाकर स्कोर 1–1 कर दिया।

बराबरी के बाद दोनों टीमों ने बढ़त बनाने की कोशिश की। कादसिया के बदर अल मुतावा का शाट गोवा के खिलाड़ियों ने रोक दिया, जबकि गोवा के कप्तान संदेश झिंगन ने मुहम्मद नेमिल के कार्नर पर हेडर लगाया, लेकिन गेंद लक्ष्य से बाहर चली गई। दूसरे हाफ में कादसिया ने आक्रामक खेल दिखाया और 49वें मिनट में फिर बढ़त हासिल कर ली। अल मुतावा और खब्बा ने बाक्स के बाहर पासों का आदान–प्रदान किया, जिसके बाद खब्बा ने शानदार घुमावदार शाट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचा दिया। कादसिया को 65वें मिनट में बढ़त बढ़ाने का मौका मिला। खब्बा के बेहतरीन लाब पर अयूब लखदर ने शाट लगाया, लेकिन गेंद आगे बढ़े गोलकीपर लारा शर्मा और क्रासबार के ऊपर निकल गई। 80वें मिनट में लखदर ने दो रक्षकों को छकाकर बाक्स में प्रवेश किया, लेकिन उनका शाट दाएं गोलपोस्ट से टकराकर लौट गया। एफसी गोवा ने एक जीत से तीन अंक हासिल किए। टीम ने अपने पहले मुकाबले में ताजिकिस्तान के एफसी रेगर–ताडएज के खिलाफ हार झेली थी, जबकि दूसरे मैच में बांग्लादेश के फोर्टिस एफसी को हराया था।

डायमंड लीग के 18 वें संस्करण की शुरुआत दोहा से होगी

दोहा। विश्व एथलेटिक्स की इस प्रतिष्ठित ट्रैक एंड फील्ड सीरीज डायमंड लीग का 18वां संस्करण अगले साल 7 मई से कतर की राजधानी दोहा में शुरु होगा। इस लीग में विश्व के अधिकतर शीर्ष एथलीट शामिल होंगे। दोहा के बाद सीरीज के मुकाबले एशिया के अन्य शहरों शंघाई/केकियाओ और शियामेन में होंगे। शुरुआती मुकाबलों में एथलीटों को नए सत्र में अपनी लय और फॉर्म साबित करने का अवसर मिलेगा। डायमंड लीग के के मुकाबले इसके बाद 3 जुलाई को अमेरिका के यूजीन, ओरेगन में प्रीफॉन्टेन क्लासिक के नाम से होंगे। इसके बाद सीरीज एक बार फिर यूरोप लौटेगी, जहां कई अहम प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।अमेरिका में मुकाबले के बाद डायमंड लीग का आयोजन मोनाको, लुसाने, लंदन, सिलेसिया और ब्रुसेल्स में होगा। इन प्रतियोगिताओं में एथलीटों के पास बेहतर अंक हासिल कर फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। लीग का फाइनल 25 और 26 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा।

चेल्सी को प्रीमियर लीग खिताब जिताना चाहते हैं स्ट्राइकर डैनी वेलबेक

लंदन

प्रीमियर लीग फुटबाल में चेल्सी क्लब की ओर से खेलने वाले इंग्लैंड के स्ट्राइकर डैनी वेलबेक ने कहा है कि उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर क्लब को खिताबी जीत दिलाना है। वेलबेक ने कहा कि चेल्सी के लिए खेलकर वह सम्मानित अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रीमियर लीग का यह क्लब उन्हें हर साल बेहतर बनने और खिताब जीतने के लिए प्रेरित करता है। इंग्लैंड के लिए 42 मैच खेल चुके वेलबेक, ब्राइटन एंड होव एल्बियन से चेल्सी में शामिल हुए हैं।

उनका साल 2028 तक के लिए इस क्लब से अनुबंध हैं। वेलबेक ने कहा, इतने नामी क्लब की ओर से खेलना गर्व की बात है। चेल्सी उसे हर साल खिताब जीतने और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करता है। उससे स्वयं भी हर दिन बेहतर बनने की प्रेरणा मिलती है। क्लब में खेल का स्तर बहुत ऊंचा है, और एक खिलाड़ी के तौर पर सभी यही चाहते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, यहां आपको बेहतरीन पेशेवर और कोचिंग स्टाफ का साथ मिलता है जो आपसे हर सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद करते हैं। इससे आपको अपना स्तर अपने आज ही बेहतर हो जाता है। मेरा मतलब है कि टीम के लिए अपना योगदान देना, ट्रेनिंग पिच पर कड़ी मेहनत करना और जब भी जो जिम्मेदारी दी जाये उसे बेहतर तरीके से निभाना। इसी कारण मैं चेल्सी के साथ ट्राफियां जीतने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

वेलबेक ने अब तक अपने करियर में प्रीमियर लीग में 400 मैच खेले हैं। वह यूईएफए चैंपियंस लीग में भी खेले हैं। इसके अलावा दो बार फीफा विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम में रहे थे।वेलबेक ने कहा, मैं एक शानदार ड्रेसिंग रूम में बड़ा हुआ हूं, जहां के खिलाड़ी कमाल के थे। इससे मेरे काम करने के तरीके और मेरी रोजमर्रा की आदतों पर बहुत अच्छा असर पड़ा। मैंने प्रीमियर लीग के कुछ सबसे बड़े क्लबों के लिए खेला है, और कुछ छोटे क्लबों के साथ भी समय बिताया है।

इस सारे अनुभव ने मुझे एक इंसान और एक खिलाड़ी के तौर पर और भी बेहतर बनाया है। मेरे पास युवा खिलाड़ियों को देने के लिए बहुत सारी सलाह है। मुझे लगता है कि मेरी उम्र के इस पड़ाव पर आप अपने आप ही एक तरह की लीडरशिप भूमिका में आ जाते हैं। यह मेरे लिए बहुत स्वाभाविक है, क्योंकि मैं हमेशा से ही दूसरों की मदद करने वाला इंसान रहा हूं। बड़े होते हुए मुझे अच्छे रोल माडल मिले हैं।

प्रतिबंध के कारण बिग बैश लीग के पहले मैच से बाहर रहेंगी मेगन

सिडनी

आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की की तेज गेंदबाज मेगन शट महिला बिग बैश लीग में 31 अक्टूबर को एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले से बाहर रहेंगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने मेगन को दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों को तोड़ने के कारण प्रतिबंधित कर दिया था।

इसी कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए अंतिम टी20 मैच के लिए शामिल नहीं की गयी थीं हालाकि ये मैच हालांकि बारिश के कारण रद्द हो गया था। सीएक के अनुसार मेगान ने दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का सही से पालन नहीं किया। साथ ही कहा कि मेगन को लेकर है कि यह मामला केवल एक घटना से जुड़ा है, जो प्रतियोगिता से बाहर के समय हुई थी। ये प्रदर्शन बेहतर करने वाली प्रतिंधित दवाओं के इस्तेमाल से जुड़ा मामला नहीं है हालांकि नियमों का पालन नहीं करने के कारण ही उन्हें निलंबित किया गया है।

सीए के अनुसार क्रिकेटर से खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा से जुड़े दिशा–निर्देशों के तहत दवाओं के इस्तेमाल नहीं किया जबकि खिलाड़ियों को इन नियमों के बारे में नियमित रूप से जानकारी दी जाती है। ऐसे में हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी होती है कि वह दवाओं से जुड़े नियमों को समझे और उनका पालन करे।

वहीं शट ने भी इस फैसले को स्वीकार कर लिया है और अपनी गलती के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि वह अपने ऊपर लगाए गए प्रतिबंध को पूरी तरह स्वीकार करती हैं। साथ ही कहा कि वह मानकों पर खरा नहीं उतरने के लिए अपनी गलती मानती हैं।

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों से उम्मीद की जाती है कि वह सभी नियमों का पालन सही से करें। मेगन ने यह भी माना कि प्रतियोगिता से बाहर हुई घटना होने और इसका खेल प्रदर्शन से संबंध नहीं होने के बावजूद दिशा–निर्देशों का पालन करना उनकी जिम्मेदारी थी। मेगन शट पर यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब उनका हाल में प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। इसके बाद 31 अक्टूबर को महिला बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स का सामना मेलबर्न स्टार्स से होना है। जिसमें प्रतिबंध के कारण मेगन नहीं खेल पायेंगी। सीए ने कहा है कि वह मेगन को जरूरी सहायता देता रहेगा।

मेसी का सम्मानः स्पेन ने अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान को प्रिंसेस आफ आस्टुरियस अवार्ड दिया, हुआ जोरदार स्वागत

ओवेएदो । अर्जेंटीना के फुटबाल दिग्गज लियोनल मेसी का स्पेन में जोरदार स्वागत हुआ। आलिएदी में 2022 फीफा विश्व कप विजेता को देखने सैकड़ों प्रशंसक पहुंचे, जहां उन्हें प्रिंसेस आफ आस्ट्रेरियस अवार्ड से सम्मानित किया गया। ओलंपिक्स डाट काम के अनुसार, इंटर मियामी के फारवर्ड मेसी, अपनी पत्नी एंटोनेला रोकुलों के स्वाथ पहुंचे। उन्होंने होटल के बाहर प्रशंसकों से बातचीत की और आटोग्राफ दिए। यह सम्मान खेल हस्तियों को उनके शानदार करियर और अपने खेल के दायरे से बाहर किए गए योगदान के लिए दिया जाता है। अर्जेंटीना के स्टार फुटबालर लियोनल मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। मेसी ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को 2022 फुटबाल विश्व कप का खिताब दिलाया था। इस साल भी अर्जेंटीना उनकी कप्तानी में फीफा विश्व कप में खेलने उतरी थी, लेकिन उसे फाइनल में स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अर्जेंटीना को एक विश्व कप और दो कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 208 मैच खेले हैं और 126 गोल किए हैं। उनके नाम 68 असिस्ट भी हैं। वह अर्जेंटीना के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। दो दशक से ज्यादा लंबे इस सफर में उन्होंने राष्ट्रीय टीम को चार बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई 2021 और 2024 कोपा अमेरिका, 2022 फाइनलिसिमा और सबसे बड़ा 2022 फीफा विश्व कप। क्लब फुटबाल में खेलते हैं मेसी भले ही मेसी का अंतरराष्ट्रीय करियर अब खत्म हो गया है, लेकिन वह इंटर मियामी के साथ अपना क्लब करियर जारी रखे हुए हैं, जहां वह 2028 तक अनुबंधित हैं।

साइबर रिश्तों से बढ़ी बेरुखी...

साइबर रिश्तों के इस युग में रोजमर्रा की जिंदगी में आमने-सामने के लोगों से रिश्ते जोड़ने की अहमियत कम हो गई है। हमेशा लोगों को शिकायत रहती है कि युवा पीढ़ी के लोग बहुत मनमानी करते हैं और किसी की सुनते नहीं। एक ताजा शोध के अनुसार इस बात की पुष्टि हो गई है। अब युवा पीढ़ी के लोग अधिक रूखे स्वभाव के हो गए हैं। वे किसी से घुलते-मिलते नहीं। मौजूदा समय में 18 से 34 वर्ष तक के लोग अपने पड़ोसियों से दुआ-सलाम कम ही करते हैं। साथ ही बुजुर्गों का भी स्वागत नहीं करते।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार इस आयु वर्ग के लोग ना तो अब बिल्डिंग के लोगों को चाय की पेशकश करने में रुचि लेते हैं और न ही किसी त्योहार पर आए डाकियों को इनाम देना चाहते हैं। 23 फीसद लोग साझा बरामदे या गलियारे में कम रुचि लेते हैं जबकि 55 साल से अधिक की उम्र के लोगों में के साथ ऐसा नहीं है। इस आयु समूह के 35 फीसद लोग अपने पड़ोसियों की अनदेखी करते हैं। जबकि 55 साल से अधिक आयु वर्ग में केवल 15 फीसद लोग ऐसा करते हैं। युवा वर्ग के 18 फीसद लोग किसी महिला या वृद्ध जन के लिए दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते हैं। वहीं 17 फीसद युवा सार्वजनिक परिवहन में किसी गर्भवती महिला के लिए अपनी सीट नहीं छोड़ना चाहते। जबकि 12 फीसद लोग किसी वृद्ध को अपनी सीट नहीं देना चाहते। 55 साल से अधिक आयु के 83 फीसद लोगों ने कहा कि वह अपने बिल्डर को कॉफी या चाय की पेशकश जरूर करते हैं। लेकिन 50 फीसद युवा पीढ़ी ऐसा नहीं करती। यह सर्वेक्षण यूगाव सर्वे ने एक हजार वयस्कों पर किया है।

नीली जींस का ट्रेंड 6,200 साल पुराना

नीले रंग की जींस के लिए हम पेरूवासियों को धन्यवाद दे सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पेरू के उत्तरी तट पर हुआका प्रीटा में खुदाई के दौरान 6,200 साल पुराना कपड़ा पाया गया, जिस पर नीले रंग को डाई के रूप में इस्तेमाल किया गया था। इसे सबसे पहली जींस माना गया है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्ष से पता चलता है कि जटिल वस्त्र तकनीक का विकास प्राचीन रेडियन लोगों ने किया था। हुआका प्रीटा कपड़ों में इस्तेमाल होने वाला कपास गॉसपियम बारबाडेंसी, आज उगाई वाले मिस्र के कपास की जाति का ही है। हमारे पास अच्छी नीली जींस नहीं होती यदि दक्षिण अमेरिकी नहीं होते।

लड़कियों को वर की तलाश...

यौवन में दस्तक देती हर लड़की का सपना होता है कि उसकी शादी धूम धाम से हो, लेकिन एक जगह ऐसी भी है जहां लड़कियों के लिए शादी करना बेहद मुश्किल काम है। ब्राजील के नोइवा दो कोरडेरो कस्बे में 20 से 35 साल की महिलाएं आज भी अपने लिए वर की तलाश में जुटी हुई हैं। इस कस्बे में हजारों लड़कियां शादी करने के लिए तरस रही हैं। इस कस्बे में बेहद खूबसूरत लड़कियां रहती हैं, लेकिन यहां की लड़कियों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत यहां कुंवारे लड़कों की कमी है। कस्बे में रहने वाली लड़कियां प्यार और शादी का सपना संजोती हैं लेकिन सिर्फ शादी के लिए कस्बा नहीं छोड़ना चाहती। वे चाहती हैं कि दूसरे गांवों के लोग उनके साथ रहें उन्हीं के कस्बे में आकर रहें। साथ ही पहाड़ियों के बीच बसे इस कस्बे में बहुत ही कम शादीशुदा मर्द हैं और जो कुंवारे लड़के हैं वे अभी बहुत छोटी उम्र के हैं।

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग...

अपने सपनों को उड़ान देने के लिए जब युवा दूसरे शहरों के अच्छे कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, तो जाहिर सी बात है कि फन और मस्ती में ही उनकी सारी पॉकेटमनी खत्म हो जाती होगी, क्योंकि न तो वह सेविंग्स के बारे में जानते हैं और न ही बजट कंट्रोल में रखना जानते हैं। बचत करने का पहला नियम है कि आप बजट बनाएं, बजट बनाते समय वर्क शीट पर दो सेक्शन बनाएं, जिसमें जरूरी और गैर जरूरी खर्च के बारे में लिखें। सबसे पहले वे काम करें जो जरूरी है, सिर्फ दूसरों को दिखाने के चक्कर में की जाने वाली फिजूल खर्ची से बचें। अक्सर आपका वीकेंड घर में बेड पर आराम फरमाते, टीवी देखते और पिज्जा खाने में निकल जाता है। ऐसे में अच्छा होगा वीकेंड पर आप कोई पार्ट टाईम जॉब शुरू करें। इससे आप अपनी पॉकेट मनी भी जुटा पाएंगे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान नए सेमेस्टर के शुरू होने पर आप चाहें तो रेंटल बुक्स ले कर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। यदि आप रोजाना जाने वाले स्टूडेंट्स में शामिल हैं तो लाइब्रेरी से बेहतर कोई और ऑप्शन नहीं हो सकता। कॉलेज जाना हो या फिर दोस्तों के साथ मस्ती करनी हो, हमेशा कोशिश करें कि आने-जाने के लिए पब्लिक व्हीकल का इस्तेमाल किया जाए, इससे आपका काफी पैसा बचेगा।

भीड़ में चलने का चलो अंदाज बदलते हैं, दुनिया कल बदलेगी हम आज बदलते हैं, चलो अपने हाथों की पतवार बदलते हैं, हर कदम के साथ अपनी रफ्तार बदलते हैं। आपके कपड़े पहनने का स्टाइल, बात करने का अंदाज आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। चाहे अनचाहे तौर पर आपके चलने का तरीका भी दूसरों पर गहरा असर छोड़ता है। क्या आप जानते हैं कि युवाओं के चलने की स्टाइल से उनके स्वभाव के बारे में भी पता चलता है। भला कैसे...? तो आइए जानते हैं।

चलने का अंदाज...

व्यक्ति का मूड उसकी चाल को काफी प्रभावित करता है। चलने के अंदाज से किसी व्यक्ति के मूड के बारे में भी आसानी से पता लगाया जा सकता है। एक शोध के मुताबिक, जो लोग अवसाद से ग्रसित होते हैं, चलते समय उनकी हाथों की गतिविधियां कम होती हैं और उनके कंधे आगे की ओर झुके होते हैं। वहीं जो लोग अच्छे मूड में होते हैं, चलते समय उनके हाथों की गतिविधियां ज्यादा होती हैं। क्वींस यूनिवर्सिटी के शोध में कहा गया है कि हमारा मूड हमारी चाल को प्रभावित करता है। किसी पल हम कैसा महसूस कर रहे हैं, इससे हमारी चाल बहुत प्रभावित होती है। हर किसी की चाल कुछ न कुछ कहती है और चलने का तरीका बताता है कि आप किस स्वभाव के हैं।

आक्रामकता का अंदाज

हाल ही यूके की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी में हुई एक स्टडी के मुताबिक, लोगों के चलने के अंदाज से पता चलता है कि वे कितने आक्रामक है। अगर चलते वक्त किसी व्यक्ति के शरीर का ऊपरी और निचला हिस्सा ज्यादा हिलता है तो उसमें आक्रामकता ज्यादा होती है। शोधकर्ताओं ने 29 लोगों पर ट्रेडमिल पर उनके नेचुरल स्पीड में चलने के ऊपर एक अध्ययन किया है। एक शोधकर्ता के मुताबिक, जब हम चलते हैं तो हमारे शरीर में मूवमेंट होती है. जब कोई व्यक्ति अपना बायां पैर आगे बढ़ाता है तो उसके साथ कूल्हे का बायां भाग भी आगे आता है, बायां कंधा थोड़ा पीछे की तरफ झुकता है और दायां कंधा संतुलन बनाने के लिए आगे झुकता है। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को एक फॉर्म भरने दिया जो उनके आक्रामकता के स्तर का अंदाजा लगाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के व्यक्तित्व की विशिष्टता का पता लगाने के लिए बिग फाइव नाम का एक टेस्ट भी लिया। टेस्ट और फॉर्म के जरिए उन्होंने पता लगाया कि लोग क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और कैसे व्यवहार करते हैं। शोधकर्ताओं नें मनुष्यों के वक्ष और कूल्हे की गति और उनके चाल की गति का पता लगाया। शोधकर्ता कहते हैं कि रिसर्च से यह बात कंफर्म होती है कि लोगों के चलने के तरीके से उनके व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है।

छोटे-छोटे कदम

जो पुरूष छोटे-छोटे कदम रखकर धीरे चलते हैं वो छोटी सी बातों में ही परेशान हो जाते हैं। उनका जीवन थोड़ा परेशानी भरा होता है। यानी ऐसे लोग आपका उत्तरदायित्व नहीं संभाल सकते। ये कमजोर साबित होते हैं।

कंधे आगे की ओर

जो कंधे आगे की ओर झुकाकर चलते हैं वे थोड़े आलसी होते हैं लेकिन जरुरत पड़ने पर मेहनत करने के लिए भी तैयार रहते हैं। इन्हें कोई भी काम दिया जाए उसे करने में आलस महसूस करते हैं और कोई भी निर्णय लेने में बहुत बार सोचते हैं।

तेज चाल

जिन युवाओं की चाल तेज होती है वे बड़े उत्साही और हमेशा आगे बढ़ने वाले स्वभाव के होते हैं। इनका शरीर फिट और आकर्षक होता है। ऐसे लोग दूसरों को भी उत्साही बनाते हैं और जीवन में काफी आगे जाते हैं। जो लोग पैरों के साथ हाथों को हिलाकर चलते हैं वे बहुत चतुर और जिंदादिल होते हैं। ऐसे लोग जोशीले और उत्साहित होने के साथ उमंग से भरे होते हैं।

पैरों को दबाव देना

जमीन पर पैरों को दबाव देकर जो लोग चलते हैं वो हिम्मती और जिद्दी स्वभाव के होते हैं और अपनी बातों पर अडिग रहने वाले होते हैं।

लंबे-लंबे कदम

जो लोग लंबे-लंबे कदम रखकर चलते हैं, वे आत्मविश्वासी और बेहद साहसी होते हैं। इनमें हमेशा प्रतियोगिता की भावना होती है। इस स्वभाव वाले लोग अपनी सोच से एक कदम आगे चलते हैं।

धीमी गति से चलना

जो लोग धीमी गति से चलते हैं या पैरों को घसीटकर चलते हैं, वो सहमे हुए और दुखी स्वभाव के होते हैं। ये लोग तनावग्रस्त होते हैं।

फर्स्ट इंप्रेशन...

सभी चाहते हैं कि किसी से पहली बार मिलने पर ऐसी छाप छोड़े कि उसके मन-मस्तिष्क में उम्र भर के लिए अच्छी राय बन जाए, लेकिन ज्यादातर लोगों को यह तकनीक ही नहीं आती कि पहली ही मुलाकात में कैसे किसी को हमेशा के लिए अपना प्रशंसक बनाया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कैसे जमाएं फर्स्ट इंप्रेशन।

स्टाइल सुधारें

पहली मुलाकात में ध्यान रखें कि सामने वाले पर आपकी बातचीत का क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसे भांपकर अपनी शैली सुधारें। अपना ध्यान उस व्यक्ति पर केंद्रित करें, आंखों से आंखें मिलाकर बात करें। चाहे सामने कोई उच्च पदस्थ व्यक्ति हो, नर्वस होकर, इधर-उधर देखते हुए बातचीत न करें। यदि आपको लगता है कि सामने वाला बोर कर रहा है तो भी पहली बार उसकी बात ध्यान से सुनें।

हाथ मिलाने का सलीका

किसी से भी हाथ मिलाते समय ध्यान रखें कि हाथ को न तो ढीला छोड़कर मिलाया जाए और न बिल्कुल सख्त तरीके से। हाथ मिलाते समय आपके चेहरे पर खुशी और अपनापन झलके। किसी स्त्री से हाथ मिलाते समय आपके व्यवहार में शालीनता नहीं होगी तो मुश्किल में भी पड़ सकते हैं।

आत्मविश्वास जरूरी

कई बार लोग अपने सामने किसी उच्च व्यक्तित्व वाले व्यक्ति को देख कर हड़बड़ा जाते हैं और ऐसी हरकतें कर बैठते हैं कि सामने वाले पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपकी पहली मुलाकात किसी लड़की से हो रही है तो अपने फेशियल एक्सप्रेशंस को संयत रखें। ऐसी लड़की बेशक आपकी भावी मंगेतर या रिश्तेदार हो, लेकिन अपने व्यवहार को संयत रखें, हावी होने की कोशिश न करें।

खूबसूरती का प्रदर्शन

कुछ लोग खूबसूरती का अनावश्यक प्रदर्शन करती हैं। सभी लोग सौंदर्य पर रीझने वाले नहीं होते। भले ही यह बातचीत शादी तय करने के लिए हो रही हो, याद रखें कि आपका चेहरा आपके व्यक्तित्व का सिर्फ एक हिस्सा है, वह तभी किसी को आकर्षित करता है, जबकि आपकी भाषा, बातचीत का अंदाज और भाव-भंगिमा शालीनतापूर्ण हो। हर किसी में अलग-अलग गुण होते है, उन्हे सराहे। मधुर वाणी जहां दिलों पर राज करा सकती है, वही कर्कश बातें चोट पहुंचाती है। इसलिए अपने व्यवहार में विनम्रता रखें। यही एक बात है जो याद रह जाती है।

सहज रहें

किसी के साथ पहली मुलाकात में सामने वाले को यह महसूस हो कि उससे मिलने पर आपको खुशी हुई। शादी-विवाह तय करते समय भी ध्यान रखें कि आपकी नापसंदगी दूसरे पर एकदम से जाहिर न हो। कई बार तो ऐसा भी होता है कि पहली मुलाकात में कोई पसंद नहीं आता, बाद में वही जीवनसाथी, बॉस या अन्य किसी रिश्ते के तहत हमारे सामने आ जाता है। पहली मुलाकात में अपना समूचा ज्ञान या दर्शन भी सामने वाले के सामने प्रस्तुत न कर दें। सहज रहे, भले ही सामने वाले की बातों से आप सहमत न हों, लेकिन इसे पहली ही बार में न जाहिर करे।

ऐसे बनाएं आकर्षक बॉडी....

एक जमाना था जब आदमी दो पैक ऐब्स बनाकर ही मोहल्ले में शान से चला करता था, लेकिन आज के जमाने में दो पैक ऐब्स नहीं बल्कि सिक्स पैक ऐब्स चलते हैं। फिल्मों और टीवी से लेकर गली के जिम तक हर कोई सिक्स पैक ऐब्स बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यदि आपको भी सिक्स पैक बनाने की चाहत है तो हम आपको बता दें कि इसको बनाना इतना आसान नहीं है लेकिन अगर आप कुछ बातों पर ध्यान दें तो सिक्स पैक ऐब्स बना सकते हैं। सिक्स पैक ऐब्स बनाने के लिए आपको अपने वर्कआउट के साथ साथ अपनी डायट पर भी खास ध्यान देना होगा। इसमें सब से पहला कार्य होता हैं अपने भोजन पर नियंत्रण रखना। यदि आप दिन में दो या तीन बार भरपेट खाना खाते हैं तो आपको तीन के बजाय पांच से छह बार खाना होगा। मतलब आप कम-कम मात्रा में 2-3 बार के बजाय 6 बार खाना खाएंगे। इसका कारण यह है कि एक ही बार भरपेट खाने से पेट की मांसपेशियों पर बहुत अधिक बल पड़ता है जिससे मोटापा बढ़ जाता है और शरीर बेडौल हो जाता है। आपको प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना होगा। इससे शरीर में ताकत आएगी और मांसपेशियां मजबूत होंगी। पने आहार में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा अधिक लें। शुगर युक्त चीजें, अधिक कैलोरी वाले फूड और एल्कोहल का सेवन करने से बचें। मक्खन, चीज जैसी चीजों का सेवन न ही करें तो बेहतर होगा। आपको साथ ही ऑयली फूड से दूर रहें। आप कम मात्रा में पीनट बटर का सेवन भी कर सकते हैं। अंत में पानी पीने की मात्रा का भी ध्यान रखे। पानी दिन में कम से कम 8 गिलास या इससे अधिक पीएं।

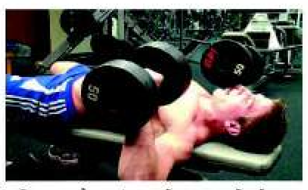

चेस्ट के लिए

चेस्ट को शेप देने के लिए फ्लैट डंबल प्रेस सबसे बेहतर एक्सरसाइज है। यह फ्लैट बेंच से इसलिए बेहतर है क्योंकि उसमें आपके हाथ एक सीमा से नीचे नहीं आते। बेंच करते वक्त रॉड जैसे ही आपकी चेस्ट से टच होती है आप उसे ऊपर की ओर धकेल देते हैं। वहीं डंबल प्रेस के मामले में आपकी चेस्ट पर कुछ आने जैसी बात ही नहीं होती। जितना आप डंबल को नीचे ले जाएंगे उतना प्रेशर आपकी चेस्ट पर बनेगा।

पावर के लिए

ओवरऑल मसल बिल्डिंग और पावर के लिए बॉडी बिल्डरों की सबसे पसंदीदा एक्सरसाइज है स्क्वेट। जो लोग इसे नहीं करते उन्हें लगता है कि यह सिर्फ पैरों की कसरत है पर जो लोग करते हैं वो जानते हैं कि ये कसरत मर्द बनाती है। यह एक्सरसाइज ग्रोथ हार्मोन को जबरदस्त तरीके से एक्टिवेट करती है। एक हैवी सेट लगा कर देखें, दिमाग की बत्ती जल जाएगी। एक और सबूत चाहिए तो हैवी स्क्वेट लगाने के बाद ब्रेंच प्रेस लगाएं आप नॉर्मल से ज्यादा वेट लगा पाएंगे।

बाइसेप्स के लिए

कसरतों की लंबी लिस्ट है और आप उन्हें आजमाते भी होंगे, पर बारबेल कर्ल से बेहतर कुछ नहीं। जैसे स्क्वेट पैरों की एक मुकम्मल कसरत है वैसे ही बारबेल कर्ल बाइसेप्स की मुकम्मल एक्सरसाइज है। एक बात और आप अगर शुरुआती दौर में नहीं हैं तो बड़ी रॉड से कर्ल करें।

ट्राइसेप्स

आपके आर्म में 30 फीसदी हिस्सेदारी बाइसेप्स और 70 फीसदी ट्राइसेप्स की होती है। अगर आपको बड़े आर्म्स चाहिए तो बाइसेप्स की बजाय ट्राइसेप्स पर ज्यादा ध्यान दें। आपके ट्राइसेप्स के भी तीन हिस्से होते हैं और बेंच डिप्स ऐसी एक्सरसाइज है तो तीनों हिस्सों पर काम करती है। इसे आप बॉडी वेट के साथ और एक्सट्रा वेट के साथ भी कर सकते हैं।

बाइसिकल क्रंच

सिक्स पैक की ओर बढ़ रहे हैं तो इस एक्सरसाइज को अपने शेड्यूल में जरूर शामिल करें। बाकी की क्रंचेस आमतौर पर एब्स के किसी एक हिस्से पर काम करती हैं पर ये एक साथ सिक्स पैक पर काम करती है। यहां ये बताना हम जरूरी समझते हैं कि ये सबसे ज्यादा फायदेमंद उस शख्स के लिए जिसका पेट फ्लैट और जो सिक्स पैक बनाने के लिए कसरत कर रहा हो।

बच्चों को सुलाने के आसान तरीके

आमतौर पर बच्चों को जब नींद नहीं आती है तो वो चिड़चिड़े हो जाते हैं। फिर उन्हें किसी भी तरह बहलाने फुसलाने की कोशिशें बेकार साबित होती हैं। उस समय उन्हें जरूरत होती हैं प्यारी सी लोरी के साथ शांत माहौल और मां के गोद की। लोरी सुनाकर बच्चों को सुलाने का चलन बरसों से चला आ रहा है। आज भी मां अपने बच्चों को लोरी सुनाकर ही सुलाती हैं। धीरे-धीरे और मीठे स्वर में गाई गई लोरी का बच्चे के दिमाग पर काफी असर होता है इसको सुनते-सुनते वे धीरे-धीरे मीठी नींद की ओर बढ़ने लगते हैं।

लोरी ही जरूरी नहीं: लोरी बच्चे को सुलाने का सबसे प्यारा तरीका समझा जाता है। लेकिन सिर्फ लोरी ही जरूरी नहीं है इसके साथ बच्चे के शरीर पर हल्की-हल्की थपकी और गोद में उसे धीरे-धीरे झुलाना भी काफी मददगार साबित होते हैं। और यह प्रक्रिया आपको तब तक करनी चाहिए जब तक बच्चा गहरी नींद में ना सो जाए।

लोरी सुनते ही क्यों सो जाते हैं बच्चे: लोरी की मीठी आवाज से बच्चे का ध्यान आस-पास की आवाजों से हटने लगता है। बच्चों को लगातार गोद में झुलाते रहने से उसकी नजर किसी भी चीज पर नहीं टिक पाती। और थोड़ी ही देर में उसकी आखों में नींद आने लगती है। और वह धीरे-धीरे अपनी आंखों को बंद करने लगता है।

स्तनपान करते हुए: आमतौर पर देखा जाता है कि बच्चें मां की गोद में स्तनपान करते हुए भी सो जाते हैं। ऐसे में उनके सिर पर धीरे-धीरे हाथ से सहलाएं जिससे उनकी आंखों में नींद आने लगे। और जब वह पूरी नींद में सो जाए तो उसे धीरे से बिस्तर पर लेटा दें।

गोद में लेकर झुलाएं: बच्चो को जब नींद आती है तो वो आपकी गोद में झुलना चाहते हैं। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर दाएं से बाएं झुलाएं। धीरे-धीरे उसकी आंखे भारी होने लगती है और वह थकवाट के कारण अपनी आंखे बंद करने पर मजबूर हो जाता है। ध्यान रहे कि ज्यादा से जोर से झुलाने पर बच्चा डर भी सकता है।

प्रैम या स्ट्रॉलर में: कई बार देखा जाता है कि बच्चा प्रैम या स्ट्रॉलर में बैठकर आगे-पीछे हिलाते हुए सोना चाहता है। यह प्रक्रिया बार-बार करने पर बच्चा धीरे-धीरे नींद की आगोश में चला जाता है।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)